नई दिल्ली ■ शनिवार 22 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 234 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक | 07 अंतिम टेस्ट: स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रंखला में बराबरी... | मिस यूनिवर्स 2025 बनी मेक्सिको की ... 08

दुबई एयर शो में भारतीय फाइटर जेट तेजस क्रैश, पायलट की मौत

वायुसेना ने की पुष्टि

नई दिल्ली। दुबई एयर शो के दौरान क्रैश हुए भारत के तेजस विमान हादसे में पायलट की मौत हो गई है। भारतीय वायु सेना ने दुबई एयर शो के दौरान हुए तेजस विमान हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। दुर्घटना का यह दृश्य बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाला था।

जांच टीमें घटना के कारणों का पता लगाने में जुट गई हैं। दुबई में 17 नवम्बर से शुरू हुए एयर शो में वायु सेना की सारंग डिस्प्ले टीम और लड़ाकू विमान तेजस ने भारत की आसमानी ताकत का प्रदर्शन किया है। युद्धाभ्यास करने के साथ ही भारत के लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस ने अपने अंदाज में दुबई के लोगों और दुबई एयरशो के आगंतुकों को 'नमस्ते' करके वाहवाही लूटी। इस मौके पर लगाई गई प्रदर्शनी में भी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एलसीए तेजस को अपने स्टॉल में प्रदर्शित किया है। एलसीए की आसमानी ताकत देखकर कई देशों ने तेजस के प्रति आकर्षित होकर अपनी रुचि दिखाई है। वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम और तेजस फाइटर्स वाली एक टुकड़ी दुबई एयर शो के लिए दुबई के अल मकतूम एयरबेस पर उतरी थी। इस ग्लोबल इवेंट का मकसद इंटरऑपरेबिलिटी, ऑपरेशनल एज को बढ़ावा और मिलिट्री के साथ-साथ बिजनेस कोऑपरेशन को बढ़ावा देना है। एयर शो के आखिरी दिन आज दिन में भारत का लड़ाकू तेजस विमान उड़ान भरने के दौरान तेजी से नाक के बल नीचे की ओर गिरता दिखाई दिया और चंद सेकेंड के बाद 2 बजकर 10 मिनट पर जमीन से छूने के बाद आग का गोला बन गया। उस समय एयर शो को देखने के लिए हजारों दर्शक जमा थे। एयर शो में एरियल डिस्प्ले के दौरान दुर्घटना होने से दर्शकों के सामने बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाला दृश्य पैदा हो गया, जिससे भगदड़ सी मच गई। दुबई वर्ल्ड सेंट्रल में अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऊपर काला धुआं उठने के बाद सायरन बजने लगे। दुबई मीडिया ऑफिस ने तेजस क्रैश के बाद की एक तस्वीर जारी की है। दुबई मीडिया ऑफिस के मुताबिक फायर फाइटर्स और इमरजेंसी टीमों ने घटना पर तुरंत कार्रवाई की और मौके पर हर स्थिति को संभाला। यूएई सिक्योरिटी फोर्स ने दुबई एयरशो में आए सभी विजिटर्स को तुरंत बाहर निकालना शुरू कर दिया।रेस्क्यू और फायरफाइटिंग टीमों को हादसे वाली जगह पर तैनात किया गया है। दुर्घटना के बाद भारतीय वायु सेना ने पायलट की मौत होने की पुष्टि करते हुए एक बयान में कहा, ९आज दुबई एयर शो में एरियल डिस्प्ले के दौरान वायु सेना के तेजस एयरक्राफ्ट का एक्सीडेंट हो गया। एक्सीडेंट में पायलट को जानलेवा चोटें आईं।

वायु सेना को जान के नुकसान पर गहरा दुख है और वह इस दुख की घड़ी में दुखी परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। एक्सीडेंट का कारण पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी बनाई जा रही है।९ चीफ डिफेन्स ऑफ़ स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और इंडियन आर्म्ड फोर्सेज के सभी रैंक ने दुबई एयर शो में एरियल डिस्प्ले के दौरान वायु सेना के तेजस एयरक्राफ्ट के एक्सीडेंट होने की घटना पर बहुत दुख जताया है। उन्होंने कहा कि हमें पायलट की जान के नुकसान पर बहुत दुख है और हम इस दुख की घड़ी में दुखी परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। तेजस क्रैश होने की ये दूसरी घटना है। इससे पहले राजस्थान के पोखरण में 2024 में इंजन फेल होने से तेजस क्रैश हुआ था।

कितना घातक है तेजस लड़ाकू विमान

गति	लंबाई	वजन	ऊंचाई	उड़ान क्षमता
2,205 किमी प्रति घंटा	13.20 मीटर	6,500 किग्रा	4.40 मीटर	50,000 फीट

एक बार में कितनी दूरी तय कर सकता है

3000 किमी

मुख्यमंत्री ने किया 'अटल कैंटीन' का शिलान्यास

दिल्ली में अब पांच रुपये में मिलेगा भरपेट खाना

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तिमारपुर स्थित जेजे क्लस्टर की संजय बस्ती में पहली 'अटल कैंटीन' का शिलान्यास किया। इस कैंटीन से जरूरतमंदों को 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। दिल्ली भर में ऐसे 100 कैंटीन खोलने की सरकार की योजना है। मुख्यमंत्री ने शिलान्यास समारोह में कहा कि भाजपा सरकार अपने संकल्प पत्र में दिल्ली में अटल कैंटीन खोलने का जो वादा किया था, वह संकल्प आज सिद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर को दिल्ली में 100 अटल कैंटीन शुरू करने के लक्ष्य के साथ हमारी सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है। इन कैंटीनों में जरूरतमंदों को मात्र पांच रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि भोजन वितरण की संपूर्ण प्रक्रिया को डिजिटल टोकन प्रणाली से संचालित किया जाएगा, ताकि किसी भी स्तर पर अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके। मैनुअल कूपन की अनुमति नहीं होगी। सभी वितरण केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनसे ड्यूरिब के डिजिटल प्लेटफार्म से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। रसोई में सभी आधुनिक उपकरण, एलपीजी आधारित कुकिंग सिस्टम, इंडस्ट्रियल आरओ जल व्यवस्था और ठंडा भंडारण की सुविधा अनिवार्य की गई है। मुख्यमंत्री कहा कि अटल कैंटीन दिल्ली की आत्मा बनेगी, जहां किसी नागरिक को भूखा नहीं रहना पड़ेगा। हर व्यक्ति को सस्ता, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना हमारी सरकार का संकल्प है।

यह योजना अटल जी के गरीबों के प्रति गहरे प्रेम और संवेदना को समर्पित है। अटल जी हमेशा कहते थे कि 'गरीबी केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अवसरों की कमी भी है।' इसी सोच से प्रेरित होकर दिल्ली सरकार यह कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अटल कैंटीन योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली का कोई भी नागरिक भूखा न सोए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना न केवल भोजन की व्यवस्था है, बल्कि सम्मानजनक जीवन और सामाजिक समानता की दिशा में एक ठोस प्रयास है। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली के मंत्री आशीष सूद, विधायक सूर्य प्रकाश खत्री सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में फैक्टरी में गैस धमाका, 15 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आज सुबह एक फैक्टरी में हुए गैस धमाके में कम से कम 15 लोगों की जान चली गई। इस विस्फोट में कई अन्य घायल भी हुए हैं। प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने घटना में जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। उन्होंने फैसलाबाद कमिश्नर से घटना की रिपोर्ट मांगी है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, फैसलाबाद कमिश्नर ने इस घटना पर बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि आज फैसलाबाद के मलिकपुर इलाके के पास एक फैक्टरी में हुए गैस धमाके में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई दूसरे घायल हो गए। इससे पहले रेस्क्यू 1122 ने शुरुआती बयान में कहा था कि यह घटना तड़के फैक्टरी के बॉयलर में धमाके के बाद से हुई है। इससे फैक्टरी और आसपास के कई आवास धराशायी हो गए। हालांकि बाद में रेस्क्यू 1122 ने धमाके की वजह गैस का लीक होना बताया। इसकी पुष्टि फैसलाबाद कमिश्नर राजा जहांगीर अनवर के कार्यालय से जारी बयान में भी की गई। बयान में कहा गया कि फैक्टरी में कोई बॉयलर नहीं था।

गुजरात : घर में लगी आग से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

गोधरा। गुजरात के गोधरा शहर में शुक्रवार सुबह बामरौली रोड स्थित गंगोत्री नगर इलाके के एक मकान में आग लगने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई। इस घर में आज 'सगाई' की खुशियों की तैयारी होनी थी। इस हृदय विदारक घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हुई है जिनमें 'वर्धमान ज्वेलर्स' के मालिक और पिता कमलभाई दोषी (50), माता देवलबेन दोषी (45), बड़ा बेटा देव कमलभाई दोषी (24) और छोटा बेटा राज कमलभाई दोषी (22) शामिल है। जानकारी के अनुसार घर के ग्राउंड फ्लोर पर रखे सोफे में देर रात शॉर्ट-सर्किट या किसी अन्य कारण से आग लग गई। घर चारों तरफ से कांच से पूरी तरह बंद होने के कारण धुएं का बाहर निकलना मुश्किल था। धीरे-धीरे पूरा घर जहरीले धुएं से भर गया। गहरी नींद में सोए परिवार के चारों सदस्य समय रहते न तो जाग पाए और न ही बाहर निकल सके। धुएं में दम घुटने से सभी की मौके पर ही मौत हो गई।

मिस यूनिवर्स 2025 बनी मेक्सिको की फातिमा बॉश

नई दिल्ली। मिस यूनिवर्स 2025 का भव्य फिनाले थाईलैंड में शानदार अंदाज में सम्पन्न हुआ, जहां दुनिया भर की निगाहें इस रोमांचक प्रतियोगिता पर टिकी रहीं। 130 से अधिक देशों की प्रतिभागियों ने अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और कौशल से मंच को जगमगाया। हालांकि, इस बार भारत के लिए निराशा का पल रहा, क्योंकि देश की उम्मीद मनिका विश्वकर्मा टॉप 12 में जगह नहीं बना सकीं। इसमें मेक्सिको की फातिमा बॉश ने बाजी मारते हुए मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनियाभर के 130 देशों की प्रतिभाशाली महिलाओं ने हिस्सा लिया। इन्हीं में भारत की मनिका भी शामिल थीं, जिनसे देश को बड़ी उम्मीदें थीं। फाइनल राउंड में जगह बनाने के बाद भारत की उम्मीदें राजस्थान की इस खूबसूरत प्रतिभागी से और बढ़ गईं, लेकिन वह ताज अपने नाम करने से चूक गईं। दूसरी ओर मेक्सिको की फातिमा बॉश ने अपनी सुंदरता, प्रतिभा और बेहतरीन जवाबों से सबका दिल जीत लिया और मिस यूनिवर्स 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया।

बिहार मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा

भाजपा के सम्राट चौधरी को मिला गृह विभाग

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा किया, जिसके तहत उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग का कार्यभार सौंपा गया है। बिहार में पहली बार भाजपा को किसी नेता को गृह विभाग दिया गया है। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार कुमार ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), कैबिनेट सचिवालय, निगरानी और चुनाव विभाग अपने पास रख है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके अलावा 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की। कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए यह पहला अवसर है जब उनके पास गृह विभाग नहीं होगा। इससे पहले उनके सभी कार्यकाल में यह विभाग उनके पास ही रहा है। भाजपा और कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) समेत विभिन्न दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में गृह विभाग को लेकर खींचातान चल रही थी। अब उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। कैबिनेट विभाग की अधिसूचना के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि एवं राजस्व विभाग और खान एवं भू-तत्व विभाग दिए गए हैं।

भाजपा से शामिल मंत्री के विभाग

- सम्राट चौधरी (उपमुख्यमंत्री)- गृह विभाग
- विजय कुमार सिन्हा (उपमुख्यमंत्री)- राजस्व एवं भूमि विभाग, खनन भूतत्व मंत्रालय
- मंगल पांडेय - स्वास्थ्य एवं विधि विभाग
- डॉ दिलीप जायसवाल - उद्योग विभाग
- नितिन नवीन - पथ निर्माण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग
- रामकृपाल यादव - कृषि विभाग
- संजय टाइगर - श्रम संसाधन विभाग
- अरुण शंकर प्रसाद - पर्यटन, कला संस्कृति एवं युवा विभाग
- सुरेंद्र मेहता - पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग
- नारायण प्रसाद - आपदा प्रबंधन विभाग
- रमा निषाद - पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
- लखेंद्र कुमार रोशन - अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग
- श्रेयसी सिंह - सूचना प्रावैधिकी एवं खेल विभाग
- प्रमोद कुमार (चंद्रवंशी) - सहकारिता, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

जदयू में शामिल मंत्री के विभाग

- विजय चौधरी - जल संसाधन और भवन निर्माण विभाग, सूचना जनसम्पर्क, संसदीय कार्य
- विजेंद्र प्रसाद यादव - ऊर्जा मंत्री, वित्त मंत्रालय, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन
- श्रवण कुमार - ग्रामीण विकास मंत्रालय, परिवहन
- अशोक चौधरी -ग्रामीण कार्य मंत्रालय
- लेसी सिंह -खाद्य उपभोक्ता संरक्षण मंत्रालय
- मदन सहनी - समाज कल्याण मंत्रालय
- मोहम्मद जमा खान - अल्पसंख्यक कल्याण विभाग
- सुनील कुमार -शिक्षा मंत्रालय

हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) से शामिल मंत्री

- संतोष कुमार सुमन - लघु जल संसाधन विभाग
- लोकजनशक्ति पार्टी (राम विलास) से शामिल मंत्री
- संजय कुमार - गन्ना उद्योग विभाग
- संजय सिंह - लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग
- राष्ट्रीय लोक मोर्चा से शामिल मंत्री
- दीपक प्रकाश - पंचायती राज विभाग

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, एक्यूआई 'बेहद खराब'

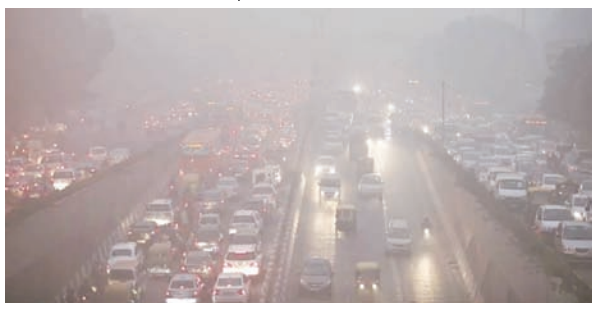

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मामूली गिरावट के साथ 370 दर्ज किया गया, जो बृहस्पतिवार को 391 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने पहले यह अनुमान लगाया था कि वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में जा सकती है। सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 'संतोषजनक', 101 से 200 'मध्यम', 201 से 300 'खराब', 301 से 400 'बेहद खराब' और 401 से 500 'गंभीर' माना जाता है। सीपीसीबी के 'समीर' ऐप के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के कुल 23 निगरानी स्टेशनों ने 'बेहद खराब' वायु गुणवत्ता दर्ज की, जबकि 13 स्थानों पर प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' देखा गया। वजीरपुर में एक्यूआई सबसे अधिक 442 दर्ज किया गया। आर के पुरम, बवाना, आनंद विहार, जहांगीर पुरी और रोहिणी में भी यह 400 से ऊपर ही रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम है। सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

राजस्थान में कंटेनर में ब्लास्ट के बाद आग लगी, ड्राइवर जिंदा जला

दौसा। जिले के राहुवास थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर एलईडी पोल से जा भिड़ा। जिसके चलते कंटेनर पलटी खाने बाद ब्लास्ट धमाका हुआ और आग लग गई। जिससे ड्राइवर जिंदा जल गया। सूचना पर राहुवास थाना अधिकारी गोपाल शर्मा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे, साथ ही नांगल राजावतान डिप्टी एसपी दीपक मीणा भी पहुंचे। पुलिस द्वारा मौके पर दमकल की गाड़ी बुलाई गई। दमकल ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस ने बताया कि कंटेनर यूपी के उन्नाव से महाराष्ट्र जा रहा था। इस दौरान डूंगरपुर इंटरचेंज के पास कंटेनर का टायर फट गया, जिससे वह बेकाबू होकर एलईडी पोल से टकरा गया। आशंका है कि एसी में स्पार्किंग के बाद आग लग गई, जिससे अंदर बैठा ड्राइवर जिंदा जल गया। ड्राइवर की पहचान आकाश (26) निवासी उन्नाव के रूप में हुई है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त पोल और कंटेनर को एक्सप्रेसवे से हटाकर यातायात सुचारु करवाया।

घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकालेंगे: शाह

एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए है, बिहार ने देश में घुसपैठियों के खिलाफ जनादेश दिया : शाह

भुज (गुजरात)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग की जीत देश में घुसपैठियों के खिलाफ जनादेश है क्योंकि नागरिक कभी भी उन दलों का समर्थन नहीं करेंगे जो ऐसे अवैध प्रवासियों का समर्थन करते हैं। शाह ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। शाह ने एसआईआर को मतदाता सूची का "शुद्धिकरण" बताया। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, "आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है।" उन्होंने कहा कि हालांकि, कुछ राजनीतिक दल सरकार के घुसपैठ विरोधी अभियान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष ने एसआईआर पर आपत्ति जताते हुए दावा किया है कि इससे लाखों मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। शाह ने कहा, "वे चुनाव आयोग द्वारा जारी एसआईआर और मतदाता सूची के शुद्धिकरण प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम इस देश से हर एक घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे। यह हमारा संकल्प है।" उन्होंने कहा, "देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा, या देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है।" गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत के लोकतंत्र को सुरक्षित और शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है और हर नागरिक को इसका पूरा समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, "मैं उन राजनीतिक दलों को भी आगाह करना चाहता हूं जो इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश था। और यह जनादेश हमारे देश में घुसपैठियों की मौजूदगी के खिलाफ है।"

शाह ने कहा, "मतदाता सूची में घुसपैठियों की जगह सुनिश्चित करने के लिए काम करने वाले दलों को पता होना चाहिए कि देश की जनता ऐसे इरादों का कभी समर्थन नहीं करेगी।" बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह के दौरान शाह ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बल की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों की बदौलत भारत बहुत जल्द नक्सली समस्या से मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा, "हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल समस्या से हमेशा के लिए मुक्त करने और अपने आदिवासी भाइयों-बहनों के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

तिरुपति से पशुपति तक का पूरा कॉरिडोर सुरक्षित रहेगा और शेष भारत की तरह प्रगति करेगा। छत्तीसगढ़ में बीएसएफ ने 127 माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है, 73 को गिरफ्तार किया है और 22 को मार गिराया है।" उन्होंने कहा कि केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बल्कि पूरा देश बीएसएफ जवानों की बहादुरी और अनुकरणीय साहस को सलाम करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि अब तक बीएसएफ के 2,013 बहादुर जवानों ने देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। इस अवसर पर शाह ने कहा कि बीएसएफ में अब 193 बटालियन और 2.76 लाख से ज्यादा जवान हैं।

संक्षिप्त खबरें

कार रोककर पांच लोगों ने युवक के साथ की मारपीट

दादरी। बोड़ाकी फाटक के समीप युवक की कार को रोककर दूसरी कार में सवार पांच लोगों ने मारपीट की। आरोप है कि पीड़ित की कार में उसकी दो बहनें बैठी थीं। इनके सामने युवक को पीटा गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। दादरी कोतवाली पुलिस के मुताबिक सुमित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। सुमित ने पुलिस को बताया कि उसका भाई अमित मंगलवार को अपनी दो बहनों को लेकर कार से कहीं जा रहा था। बोड़ाकी फाटक के समीप गांव के रहने सुबोध, मोहित, निशांत और दो अज्ञात ने अमित को रोककर लोहे के पंच से बुरी तरह पीटा। इस घटना के बाद से अमित की दोनों बहनें सहमी हुई हैं। वारदात को अंजाम देकर आरोपी भाग गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय महाविद्यालय में वार्षिक खेल समारोह में विद्यार्थियों ने दिखाया दम

नोएडा। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को वार्षिक खेल समारोह विद्यार्थियों ने ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। छात्रों ने 1500, 200 और 100 मीटर दौड़ और 4x100 रिले दौड़ में दमखम दिखाया। प्रतियोगिताओं में मानसी देवी, पायल कौर, शांति कौर, तन्नू,गौरव ,आर्यन, ऋषभ यादव, प्रिंस, आदि विजय रहे। छात्रा-छात्र रिले दौड़ में कला संकाय पहले स्थान पर रही।

छात्रों के लिए नए डिजिटल आईडी कार्ड लॉन्च ग्रेटर

नोएडा। एक्यूरेट कॉलेज ने छात्रों के लिए डिजिटल आईडी कार्ड की सुविधा शुरू की है। यह नया कार्ड पीजीडीएम और एमबीए छात्रों के लिए लॉन्च किया गया है। इसके लिए कॉलेज ने एक निजी कंपनी के साथ समझौता किया था। इस कार्ड के कई काम होंगे जैसे छात्र पहचान सत्यापन और सुरक्षित कैंपस प्रवेश के लिए एकल कार्ड, मेट्रो यात्रा की सुविधा और चयनित हवाई अड्डा लाउंज में प्रवेश, कैंपस स्टोर्स, कैफेटेरिया और तत्काल भुगतान आदि सुविधा मिलेगी।

साइबर ठगी: शेयर ट्रेडिंग के झांसे में आए फैक्ट्री मालिक से 2 करोड़ 90 लाख की ठगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 11 में रहने वाले गत्ते के कार्टून बॉक्स बनाने वाली फैक्ट्री के मालिक को साइबर अपराधियों ने अपने जाल में फंसाकर उनसे दो करोड़ 90 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने आज साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग में इन्वेस्ट कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर घटना को अंजाम दिया। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम श्रीमती शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर 11 में रहने वाले नितिन पांडे ने आज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्हें 25 जून को फेसबुक के माध्यम से मध्य प्रदेश की रहने वाली एक युवती की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई।

तथाकथित सुश्री सुनैना शर्मा की फ्रेंड रिक्वेस्ट को उन्होंने स्वीकार कर लिया। पीड़ित के अनुसार शुरुआती दौर में उसने सामान्य बातें की। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती हो गई, तथा दोनों एक दूसरे पर विश्वास करने लगे। पीड़ित के अनुसार इसी बीच उक्त महिला ने उनसे कहा कि वह शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करें तो मोटा मुनाफा होगा। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला की बातों में आ गया तथा उसके कहने पर उसने फाइनलटो नाम के ऑनलाइन ट्रेडिंग फॉरेक्स प्लेटफॉर्म मे खाता खोलकर इन्वेस्ट किया।पीड़ित के अनुसार युवती ने अपना वॉलेट भी दिखाया जिसमें हर सेशन में लगभग 15-20 प्रतिशत का हाई रिटर्न और प्रॉफिट दिख रहा था। उसके अनुरोध पर और उसके रिटर्न से प्रभावित होकर, उसकी मदद से पीड़ित फाइनलटो पर एक अकाउंट बनाकर ट्रेडिंग शुरू कर दी।

शुरुआत में 4 जुलाई 2025 को उसने 50 हजार रुपये से शुरू किया और उसके बाद 4 महीनों में 17 ट्रांजैक्शन के साथ, अपने करीबियों से उधार लेकर और लोन लेकर कुल रकम 2.90 करोड़ रुपये (दो करोड़ नब्बे लाख रुपये) लगा दी। जब पीड़ित ने विड्रॉल के लिए पूछा तो उसकी बढ़ी हुई रकम जो लगभग 7.90 करोड़ रुपये दिखाई दे रही थी, उसे निकाल नहीं पाया।

उस महिला ने उसे व्हाट्सएप और फेसबुक दोनों पर ब्लॉक कर दिया और गायब हो गई। उन्होंने बताया कि उसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ तथा उसने आज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार उनकी ग्रेटर नोएडा में गत्ते से कार्टून बॉक्स बनाने की फैक्ट्री है।

शेयर ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर रिटायर्ड कैप्टन से 32.25 लाख रुपये की ठगी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में रिटायर्ड कैप्टन को शेयर ट्रेडिंग में इन्वेस्ट कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने उनसे 32 लाख 25 हजार रुपये की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि कैप्टन दमन दत्ता (रिटायर्ड) पुत्र स्वर्गीय लेफ्टिनेंट कर्नल बीएम दत्ता निवासी सेक्टर 37 ने शुक्रवार की सुबह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया है कि 15 सितंबर को उनके मोबाइल फोन पर एक व्हाट्सएप मैसेज आया। व्हाट्सएप मैसेज करने वाले ने खुद को नीतिका भल्ला बताया। उसने कहा कि अगर वह एसबीआई सिक्योरिटीज की ब्लॉक ट्रेडिंग स्कीम में भाग लेते हैं तो उन्हें इन्वेस्ट करने पर मोटा मुनाफा होगा। पीड़ित के अनुसार आरोपित ने एसबीआई सिक्योरिटी का असली लोगो, उनके सीईओ सुरेश शुक्ला का नाम और उनकी फोटो भी पोर्टल पर लगा रखी थी। वह साइबर अपराधी के झांसे में आ गये और उन्होंने स्कीम ज्वाइन किया। पीड़ित के अनुसार 25 हजार रुपये से उन्होने शुरुआत की।

शुरुआत में उन्होंने कुछ पैसे उन्हें दिए। उन्हें जब विश्वास हो गया कि पैसे सही जगह लग रहे हैं तो वह आरोपितों के झांसे में आ गए। उन्होंने विभिन्न खातों में इन्वेस्ट के नाम पर 25 सितंबर तक 32 लाख 25 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिये। पीड़ित के अनुसार उनकी रकम पोर्टल पर काफी बढ़ी हुई दिखाई दे रही थी। उन्होंने जब पैसे निकालने की बात की तो आरोपितों ने उनसे टैक्स और अन्य मद में करीब 38 लाख रुपये की मांग करनी शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार उन्हें शक हुआ तथा उन्होंने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि किन-किन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है।

सिक्योरिटी गार्ड सहित विभिन्न सड़क हादसों में तीन की मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 45 के पास बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में एक सिक्योरिटी गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान आज सुबह गार्ड की मौत हो गई। वहीं विभिन्न जगहों पर हुए सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुकेश पांडे (51) मैनपुरी के मूल निवासी हैं। मौजूदा निवासी बरौला गांव सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते थे। उनके अनुसार गुरुवार की देर रात को वह साइकिल पर सवार होकर सेक्टर 45 के सोम बाजार के पास से गुजर रहे थे। तब ही एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि उन्हें उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर आज सुबह डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस इस मामले में अग्रिम कार्रवाई करेगी।

थाना फेस -वन के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि बीती रात को सरबजीत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह दिल्ली के मंगोलपुरी के रहने वाले हैं। उनके अनुसार उनका बेटा कृपाशंकर (32) अपने मित्र विशाल की मोटरसाइकिल लेकर नोएडा में खाना खाने के लिए आया था। पीड़ित के अनुसार सेक्टर 10 के पास उनकी बेटे की बाइक मे एक कार चालक ने टक्कर मार दी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को सत्येंद्र नागर पुत्र धनपाल सिंह निवासी ग्राम जुनेदपुर में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका बेटा गौरव(25) यथार्थ अस्पताल में काम करता था। वह अस्पताल से ड्यूटी करके अपनी बाइक से घर जा रहा था। तभी एक ट्रैक्टर के चालक ने कनारसी गांव के पास उसकी बाइक पर टक्कर मार दिया। इस घटना में उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरी करने वाली दो घरेलू सहायिकाएं गिरफ्तार, लाखों रुपए कीमत के जेवरात और नगदी बरामद

नोएडा। हाइटेक सिटी नोएडा में जहां पर एक तरफ बिना घरेलू सहायकों के लोगों की जिंदगी अधूरी है, वहीं पर घरेलू सहायक और सहायिकाएं लोगों के साथ विश्वासघात कर उनके घरों से लाखों का सामान चोरी कर रही हैं। नोएडा पुलिस ने इसी तरह के दो मामलों का शुक्रवार को खुलासा करते हुए दो घरेलू सहायिकाओं को गिरफ्तार कर उनके पास से लाखों रुपए कीमत के जेवरात और नगदी बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के सेक्टर 12 के ई- ब्लॉक में रहने वाले गणेश चंद्र के घर से 6 नवंबर को एक घरेलू सहायिका ने लाखों रुपए कीमत के जेवरात चोरी कर लिया था। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार रेखा नाम की महिला उनके घर पर काम मांगने आई। उसने उनके घर पर एक दिन काम किया। उन्होंने जब उससे आधार कार्ड आदि मांगा तो वह अगले दिन लाने को कह कर चली गई। उसके बाद जब उन्होंने अपने घर में समान चेक किया तो पता चला कि उनके घर से सामान और कीमती जेवरात चोरी हो गया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने आज उक्त घटना को अंजाम देने वाली ममोनी जना को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पीड़ित के घर से चोरी हुआ करीब 70 लाख रुपए कीमत के हीरे और सोने के जेवरात बरामद हुआ है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उक्त महिला ने अब तक कितने घरों में चोरी की है।

तीन चोर और गिरफ्तार

थाना सेक्टर 58 पुलिस ने सूचना के आधार पर घरों से चोरी करने वाले अमन पुत्र आमिर ,जावेद पुत्र अब्दुल हसन तथा सलीम पुत्र शेख सैफी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने दो चाकू, एक फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई चोरी की मोटरसाइकिल, 13 मोबाइल फोन तथा 19 हजार रुपए नगद बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि थाना सेक्टर 49 पुलिस ने एक अन्य मामले में एक घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने लाखों रुपए कीमत के जेवरात और एक लाख 34 हजार रुपए नगद बरामद किया है। उन्होंने बताया कि सेक्टर 49 के सी ब्लॉक में रहने वाले कमल सिंह नेगी ने 10 अक्टूबर को थाना सेक्टर 49 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आशा नाम की महिला उनके घर में 9 अक्टूबर को काम करने के लिए आई। इसी बीच उसने उनके घर की अलमारी से लाखों रुपए कीमत के जेवरात चोरी करके भाग गई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने आज उक्त घटना को अंजाम देने वाली आशा उर्फ ममोनी उर्फ मोनी यादव को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने लाखों रुपए कीमत के सोने -चांदी के जेवरात तथा 1,34,000 रुपए नगद बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उक्त महिला ने घरेलू सहायिका बनकर अब तक कितने घरों में चोरी की है।

अनियंत्रित कार ने सोसाइटी के में कार्यरत 3 कर्मचारियों को मारी टक्कर, चालक गिरफ्तार

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के सुपरटेक इको विलेज -दो स्थित सोसाइटी में आज सुबह को एक व्यक्ति अपनी कार पार्किंग में खड़ी करने जा रहे थे तभी उनकी कार अनियंत्रित हो गई तथा रैप पर काम कर रहे हाउसकीपिंग के तीन लोग कार की चपेट में आ गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस ने आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह को सूचना प्राप्त हुई कि सुपरटेक इको विलेज -दो सोसाइटी के पार्किंग के रैप पर एक वाहन की चपेट में आने से हाउसकीपिंग में काम करने वाले तीन लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि राहुल पुत्र श्याम कांत शर्मा जो कि उक्त सोसाइटी में रहते थे, वह अपनी कार को पार्किंग में लेकर जा रहे थे।

इसी दौरान रैप पर उनका वाहन अनियंत्रित हो गया। जिससे सोसाइटी में हाउसकीपिंग में कार्यरत मनीराम पुत्र कामता प्रसाद उम्र 40 वर्ष, राजू पुत्र देवीलाल उम्र 40 वर्ष, तथा मोनिका देवी पत्नी कृष्ण पाल उम्र 30 वर्ष घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उनकी हालत सामान्य बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

हत्या कर शव दफनाने वाले दो लोग किशोर के बनाए वीडियो से पकड़े गए

नोएडा। जेवर क्षेत्र में एक महिला की कथित तौर पर हत्या कर शव को खंडहर में दफना रहे दो लोगों का वहां मौजूद एक किशोर ने वीडियो रिकॉर्ड कर दिया। किशोर द्वारा वीडियो पुलिस को दिए जाने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों की पहचान बंटी सिंह और राकेश कुमार के रूप में की है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और महिला के पति महेश कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। जेवर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि जहांगीरपुर कस्बे में किराए के मकान में रहने वाली रंजना (35) की 19 नवंबर की रात पड़ोसी बंटी और राकेश ने गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया, ''हत्या को छिपाने के लिए 20 नवंबर को दोनों आरोपियों ने रंजना के शव को कमरे में पंखे पर फंदे से लटका दिया। दिन भर किसी को पता नहीं चलने पर आरोपी घबरा गए और उसी रात पड़ोस में स्थित खंडहरनुमा मकान में गड्ढा खोदकर शव दफनाने ले गए।'' उन्होंने कहा, ''इस कृत्य को एक किशोर ने रात एक बजे मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया और पुलिस को सूचना दी।'' पुलिस ने प्रासंगिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और अदालत में पेश किया।

पुलिस ने बताया कि रंजना का पति गुरुग्राम में नौकरी करता है और बच्चे नाना-नानी के घर रहते हैं। थाना प्रभारी ने कहा, ''पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके रंजना से अवैध संबंध थे और अचानक उसने उनसे दूरी बनानी शुरू कर दी। 19 नवंबर को रंजना उनके पास आई थी और इसी दौरान विवाद में दोनों ने उसकी हत्या कर दी।'' पुलिस अधिकारी ने महिला के पति के हवाले से बताया कि रंजना के चरित्र के कारण वह उससे अलग रह रहा था और बच्चों को भी उससे अलग कर दिया था।

एनसीआर में जहरीली हवा ने बढ़ाई मुसीबत, अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या में इजाफा

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण एक बार फिर से गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। विशेष रूप से गाजियाबाद के लोनी इलाके में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगभग 500 के खतरनाक स्तर को छू गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य आपातकाल जैसे हालात पैदा हो गए हैं। जहरीली हवा के कारण अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या में अचानक वृद्धि देखी जा रही है, जिसमें बुजुर्ग और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली के विभिन्न इलाकों में भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में है। पूसा में एक्यूआई 341, आरके पुरम में 401, रोहिणी में 424, सोनिया विहार में 396, और वजीरपुर में 442 दर्ज किया गया है। ये सभी स्तर 'बहुत खराब' से लेकर 'गंभीर' श्रेणी में आते हैं, जो न केवल स्वस्थ लोगों के लिए हानिकारक हैं, बल्कि पहले से बीमार लोगों की स्थिति को और भी गंभीर बना रहे हैं। एनसीआर के अन्य शहरों में भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं। नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 438, सेक्टर-116 में 428, और सेक्टर-1 में 399 दर्ज किया गया है। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 में एक्यूआई 431 तक पहुंच गया है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम, लोनी, संजय नगर और वसुंधरा जैसे इलाकों में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है।

विशेषज्ञों के अनुसार, वायु प्रदूषण में पीएम2.5 और पीएम10 के उच्च स्तर मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं, जो सीधे तौर पर फेफड़ों और दिल की बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। नवंबर महीने के एयर क्वालिटी कैलेंडर के आंकड़े बताते हैं कि 16 नवंबर को एक्यूआई 419, 18 नवंबर को 434 और 20 नवंबर को 430 तक पहुंच गया था, जो लगातार खराब होती स्थिति की ओर इशारा करता है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 21 से 26 नवंबर के बीच मौसम में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। कोहरा और हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषक तत्व हवा में जमे रहेंगे, जिससे स्थिति में जल्द सुधार की संभावना नहीं है। डॉक्टरों ने लोगों को घर के अंदर रहने, मास्क पहनने और बाहरी गतिविधियों को सीमित करने की सलाह दी है, खासकर उन लोगों को जो पहले से ही सांस या दिल की बीमारियों से पीड़ित हैं।

छात्र की आत्महत्या के बाद परिजनों ने दिल्ली के स्कूल के बाहर किया प्रदर्शन

मृतक छात्र के परिवार व अन्य अभिभावक, छात्रों ने की गिरफ्तारी की मांग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आत्महत्या करने वाले 10वीं कक्षा के एक छात्र के परिवार और दोस्तों ने शुक्रवार को सेंट कोलंबस स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया तथा कुछ शिक्षकों पर उसे मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया व अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि स्कूल को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए तथा उन्होंने सरकार से छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का आग्रह किया। मृतक छात्र के माता-पिता की पारिवारिक मित्र अर्चना ने कहा कि प्रदर्शनकारी निलंबन से अधिक कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन दोनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी चाहते थे कि सरकार द्वारा गठित समिति छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जिला स्तरीय दिशानिर्देश तैयार करे। एक अभिभावक ने इस स्थिति पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि एक मां ने अपना बच्चा और एक परिवार ने अपना बेटा खो दिया है। उन्होंने कहा कि छात्र अक्सर चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरते हैं और ऐसी घटनाओं को रोका जाना चाहिए क्योंकि इस उम्र के बच्चे बहुत नाजुक होते हैं। आरोपों के संबंध में स्कूल प्रशासन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। एक अन्य अभिभावक ने आरोप लगाया कि मृतक छात्र की मानसिक समस्याओं से वाकिफ काउंसलर ने परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी।

अभिभावक ने दावा किया, "उन्हें पता था कि उसकी हालत ठीक नहीं है, फिर भी उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। इसी लापरवाही ने उसे ऐसा कदम उठाने पर मजबूर किया।" प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। मृतक छात्र के चाचा चंद्रशील धवन ने कहा कि सरकार द्वारा गठित उच्च-स्तरीय समिति को निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए और स्कूलों को शिक्षकों के साथ नियमित और सार्थक संवाद सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा, "बच्चों के लिए यह आसान समय नहीं है। उन्हें कई तरफ से दबाव का सामना करना पड़ता है और शिक्षकों को उनके भावनात्मक दबाव को समझने की जरूरत है।" उन्होंने कहा, "छात्रों के साथ धैर्य और संवेदनशीलता से पेश आना चाहिए। इस अवस्था में वे नाजुक दौर में होते हैं और उनके आसपास के वयस्कों का व्यवहार काफ़ी फ़र्क डाल सकता है।

स्पष्ट दिशा-निर्देशों की जरूरत है ताकि किसी और बच्चे को ऐसी उपेक्षा का सामना न करना पड़े।" पुलिस के अनुसार, 10वीं कक्षा के छात्र ने मंगलवार दोपहर 2.34 बजे राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म से छलांग लगा दी। उसे बीएलके सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्र ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें उसने कुछ शिक्षकों के नाम लिए हैं और उन्हें अपनी मानसिक परेशानी के लिए जिम्मेदार ठहराया है और उनके ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उसने अपने अंगदान की इच्छा भी जताई।

दिल्ली में स्कूलों से मानसिक स्वास्थ्य निर्देशों के अनुपालन संबंधी रिपोर्ट मांगेंगे: शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को कहा कि वह छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के संबंध में सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अनुपालन को लेकर राष्ट्रीय राजधानी के प्रत्येक स्कूल से रिपोर्ट तलब करेंगे। सूद का यह बयान दिल्ली में दसवीं कक्षा के एक छात्र के कथित मानसिक उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर लेने के मद्देनजर आया है। मंत्री ने कहा, "हमने मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की है और स्कूल ने भी कार्रवाई की है। मैं एक चिंतित अभिभावक के रूप में इस मुद्दे पर गौर कर रहा हूं।" उन्होंने कहा कि वह सभी स्कूलों को पत्र लिखकर पूछेंगे कि क्या छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के संबंध में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के दिशा-निर्देशों का पालन किया जा रहा है। सूद ने कहा, "अगर किसी स्कूल को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, तो राज्य सरकार उसकी मदद करेगी। मैं चाहता हूं कि नयी पीढ़ी को पता चले कि हम उसके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति गंभीर हैं।" सेंट कोलंबा स्कूल के दसवीं कक्षा के एक छात्र ने मंगलवार अपराह्न करीब ढाई बजे राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म से कथित तौर पर छलांग लगा दी थी। छात्र को बीएलके सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। दिल्ली के शिक्षा विभाग ने मामले की जांच के लिए बृहस्पतिवार को एक समिति का गठन किया। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने जांच लंबित रहने तक प्रधानाध्यापिका, समन्वयक और दो शिक्षकों सहित चार स्टाफ सदस्यों को निलंबित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, छात्र ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें कुछ शिक्षकों के नाम लिए गए हैं और उन पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इसमें छात्र ने यह भी कहा कि मौत के बाद उसके अंग दान कर दिए जाएं।

संक्षिप्त खबरें

मां-बेटी की हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दो दशक पुराने दोहरे हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए दो फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह वही मामला है जिसमें सरिता विहार इलाके में 2002 में एक मां और उसकी दो वर्षीय बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। एक आरोपित 23 साल से पुलिस की पकड़ से बाहर था। जबकि दूसरा आरोपित पैरोल पर बाहर आने के बाद 18 वर्षों से फरार चल रहा था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान बिहार निवासी अमलेश कुमार (45) और सुशील कुमार (43) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम ने अमलेश कुमार को गुजरात के जामनगर से गिरफ्तार किया। बिहार का रहने वाला यह आरोपित 23 वर्षों से फरार था और अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। वहीं इस मामले में गिरफ्तार सुशील कुमार जिसे ट्रायल कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी और हाई कोर्ट ने इसे आजीवन कारावास में बदल दिया था। यह पैरोल पर बाहर आने के बाद 2007 से फरार था। वह बिहार-नेपाल बॉर्डर पर फर्जी पहचान के साथ रह रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने उसे लालगढ़ गांव से गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 28 जनवरी 2002 को मदनपुर खादर में रहने वाले अनिल कुमार ने घर पहुंचने पर दरवाजा खुला पाया। भीतर पहुंचकर उन्होंने रसोई बाहर से बंद पाया। दरवाजा खोला तो पत्नी अनीता (22) और बेटी मेघा (2) खून से लथपथ मृत पड़ी मिलीं। पीड़ितों के शरीर पर कई धारदार हथियार के घाव मिले थे।

पिता-पुत्र पर चाकू से हमला, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले के आदर्श नगर इलाके में पानी भरने को लेकर हुए विवाद में पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान चंदन कुमार (25) के रूप में हुई है। जबकि आरोपित का भाई करन अभी भी फरार है। पुलिस फरार आरोपित की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने शुक्रवार को बताया कि शिकायतकर्ता लाल बाबू शाह (40) ने पुलिस को बताया कि वह लाल बाग, आजादपुर स्थित एक झुग्गी में किराए पर रहते हैं। 19 नवंबर की रात करीब 8:40 बजे वह टॉयलेट जा रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि पड़ोस में रहने वाली गीता देवी घर के बाहर पानी भर रही थी। जिससे उनके तीसरी मंजिल के मोटर तक पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही थी। बात सुनते ही गीता देवी का बेटा करन और थोड़ी देर बाद उसका भाई चंदन दोनों चाकू लेकर लाल बाबू के कमरे तक पहुंचे और उन पर और उनके बेटे दीप नारायण पर हमला कर दिया। दोनों घायल हो गए। इसके बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि चंदन दिल्ली छोड़कर भागने की कोशिश कर रहा है और आज़ादपुर बस टर्मिनल की ओर जा रहा है।

गंभीर के खिलाफ कोविड ड्रग्स का मामला हाई कोर्ट ने खारिज किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान दवाइयों और ऑक्सीजन के अवैध भंडारण के मामले में पूर्व भाजपा सांसद व क्रिकेटर गौतम गंभीर समेत दूसरे आरोपितों के खिलाफ ड्रग कंट्रोलर की ओर से दर्ज की गई एफआईआर को निरस्त कर दिया है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने एफआईआर निरस्त करने का आदेश दिया। दरअसल, गौतम गंभीर के खिलाफ दर्ज मामले में रोहिणी कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। ड्रग कंट्रोलर ने गौतम गंभीर के अलावा गौतम गंभीर फाउंडेशन, इसके सीईओ अपराजिता सिंह, सीमा गंभीर और नताशा गंभीर के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स कानून की धारा 18(सी) के तहत मामला दर्ज कराया था। दिल्ली सरकार के ड्रग कंट्रोलर ने 8 जुलाई, 2021 को गौतम गंभीर फाउंडेशन और इसके ट्रस्टी और सीईओ के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के प्रावधानों के तहत अभियोजन शुरू किया था। इसी तरह के आरोपों के तहत आम आदमी पार्टी नेताओं प्रवीण कुमार और इमरान हुसैन के खिलाफ भी अभियोजन शुरू किया गया था।

लाल किले ब्लास्ट : उपराज्यपाल ने पुलिस और प्रशासन को दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने लाल किले में हुए हालिया आतंकवादी धमाकों के बाद शुक्रवार को पुलिस आयुक्त और मुख्य सचिव को कई एहतियाती एवं बचाव के कदम उठाने का निर्देश दिया है। उपराज्यपाल सचिवालय से भेजे गए अलग-अलग लिखित निर्देशों में सुरक्षा को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। उपराज्यपाल ने पुलिस विभाग के लिए दिए निर्देश में पुलिस को उन सभी संस्थाओं का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने को कहा गया है जो निश्चित सीमा से अधिक अमोनियम नाइट्रेट खरीदते या बेचते हैं। खरीदार और विक्रेता की तस्वीर समेत सभी जरूरी जानकारी दर्ज की जाएगी। विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि पुलिस प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों मेटा, एक्स आदि के साथ बैठक कर ऐसा वैज्ञानिक सिस्टम तैयार करेंगे जिससे कट्टरपंथी सामग्री की पहचान और ट्रैकिंग संभव हो सके। उपराज्यपाल ने निर्देश में कहा कि संवेदनशील इलाकों में खुफिया तंत्र मजबूत किया जाएगा। साथ ही समुदाय के साथ संवाद और जनसहभागिता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है ताकि संभावित खतरों को पहले ही रोका जा सके। विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि सभी अस्पतालों खासकर निजी में कार्यरत डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मचारियों का एक केंद्रीय रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। जिन मेडिकल प्रोफेशनल्स की डिग्रियां विदेश से हैं, उनके दस्तावेज पुलिस के साथ साझा किए जाएंगे ताकि बैकग्राउंड चेक किया जा सके। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और फाइनेंसरों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी वाहन वास्तविक मालिक से अलग व्यक्ति द्वारा सड़क पर न चलाया जाए। यह समस्या खासतौर पर ऑटो रिक्शा सेक्टर में पाई जा रही है, जहां परमिट धारक और वास्तविक मालिक अलग-अलग होते हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय समागम की तैयारियों की हुई समीक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर लाल किले पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय समागम की तैयारियों की समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में बताया कि आज मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में हुई बैठक में समाज के हर वर्ग से आए प्रतिनिधि, सांसद, कैबिनेट के मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने समागम के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए अपने विचार और सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि 23, 24 एवं 25 नवंबर को लाल किले में आयोजित होने वाला यह भव्य समागम श्री गुरु तेग बहादुर के मानवता, सत्य और धर्म की रक्षा हेतु दिए गए सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक नमन करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आइए, हम सभी मिलकर गुरु साहिब के त्याग, करुणा, साहस और मानवता के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं। दिल्ली सरकार इस समागम को पूर्णतः भव्य, गरिमामय और जनभागीदारी से समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि पूरा समाज एकजुट होकर गुरु साहिब के अमर उपदेशों को आत्मसात कर सके।

फरलो पर फरार कुख्यात अपराधी सोहराब कोलकाता से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर में दहशत फैलाने वाले कुख्यात अपराधी सोहराब उर्फ़ सौरव को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। हत्या, रंगदारी, लूट, हत्या के प्रयास जैसे 30 से अधिक गंभीर मामलों में वांछित यह अपराधी उप्र पुलिस के टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर में शामिल रहा है। पुलिस अधिकारी के अनुसार 38 वर्षीय सोहराब को 19 मई 2025 को तिहाड़ जेल से फरलो पर छोड़ा गया था, लेकिन निर्धारित समय समाप्त होने के बाद भी वह जेल नहीं लौटा और फरार हो गया। उसके बाद से ही स्पेशल सेल उसकी तलाश में जुटी थी। स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त आलाप पटेल ने शुक्रवार को बताया कि एसीपी नीरज कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने शाहदरा से जांच शुरू की और बाद में लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, मुरादाबाद, नानपारा समेत कई शहरों में खोजबीन की। इस बीच एक अन्य मामले में गिरफ्तार नसीम ने खुलासा किया कि वह सोहराब के साथ अवैध हथियार खरीद में शामिल था। इसी दौरान सूचना मिली कि सोहराब बिधान नगर स्थित एक आईवीएफ क्लिनिक आने वाला है। स्पेशल सेल ने वहां घेराबंदी की और भागने की कोशिश कर रहे सोहराब को दबोच लिया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में पता चला है कि आरोपित ने 2005 में भाई की मौत का बदला लेने के लिए हत्याएं की थीं। आरोपित 2007 में लखनऊ कोर्ट लाते समय पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। फरारी के बाद वह धीरे-धीरे सदर कैंट थाने का प्रमुख गैंगस्टर बन गया और उप्र के टॉप-10 अपराधियों में शामिल हो गया। जांच में पता चला है कि आरोपित पर 30 से अधिक संगीन मामले दर्ज हैं। इसके अलावा वर्ष 2011 में समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी सैफ हैदर सैफ़ी की हत्या के मामले में भी आरोपित शामिल था। वहीं 2013 में पूर्व भाजपा पार्षद श्याम नारायण पांडे उर्फ पप्पू पांडे की हत्या का भी आरोप है। इतना नहीं 2016 में पूर्व सांसद शफीकुर रहमान बारक के पोते की हत्या में भी आरोपित शामिल था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार स्पेशल सेल ने 19 नवंबर को कोर्ट में आरोपित को पेश कर तीन दिन का ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया है। आरोपित को दिल्ली लाकर आगे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोहराब की गिरफ्तारी से उप्र और दिल्ली में सक्रिय उसके नेटवर्क पर बड़ा असर पड़ेगा।

पश्चिमी दिल्ली में सबसे बड़ी कार्रवाई: 45 गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की साइबर थाना पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए कई इंटर-स्टेट गैंग के मॉड्यूल ध्वस्त किए है। पुलिस टीम ने जिलेभर में छापेमारी के बाद 45 आरोपित गिरफ्तार किए, 18 को बाउंड डाउन, 33 केस दर्ज, और 539 एनसीआरपी शिकायतों को लिंक किया गया है। इन शिकायतों में दर्ज ठगी की कुल रकम करीब 106 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जिनमें अकेले 102 करोड़ एक ही मॉड्यूल से जुड़े हैं। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चले इस अभियान के दौरान पुलिस ने लगभग 60 लाख रुपये नकद, 126 एटीएम कार्ड, 49 मोबाइल, 9 लैपटॉप, 24 सिम, 1 कंप्यूटर, 19 चेकबुक और 2 स्कूटी बरामद की हैं। पुलिस उपायुक्त शरद भास्कर दराडे के अनुसार यह कार्रवाई 'ऑपरेशन साइबर हॉक' के तहत की गई। जिसमें साइबर, विकासपुरी, इंदरपुरी, पंजाबी बाग और तिलक नगर थानों की संयुक्त टीमें शामिल रहीं। 12 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली कि शीतला माता रोड स्थित इंडियन बैंक एटीएम पर संदिग्ध व्यक्ति चोरी-छिपे निकासी करने वाला है। इसके बाद कई एटीएम पर निगरानी बढ़ाई गई। लगातार सर्विलांस के बाद पुलिस ने मौके पर तीन आरोपित सिमरन संधू (48), संजय अरोड़ा उर्फ सनी (51) और विकी टंडन (44) को रंगे हाथों पकड़ लिया। संजय और विकी पर पहले भी सीबीआई और जबलपुर पुलिस के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने 42,57,200, 16 एटीएम कार्ड, जुपिटर स्कूटी और 3 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस अधिकारी के अनुसार इसी क्रम में टेलीग्राम पर 'कमीशन जॉब' का झांसा देकर म्यूल खाते इकट्ठा करने और ठगी के पैसों को यूएसडीटी (क्रिप्टो) में बदल देने वाले पांच आरोपितों को दबोचा। इनकी पहचान शेखर शर्मा, दिनेश कुमार गुर्जर, विजय प्रकाश यादव, योगेश और मनीष के रूप में हुई है। इनसे 16 बैंक खाते, 16 चेकबुक, 7 एटीएम कार्ड, 2 लैपटॉप और 2 मोबाइल बरामद हुए। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस ने लगातार मिल रही शिकायतों पर जांच की, सीसीटीवी और तकनीकी सर्विलांस से कनक राज की पहचान की और उसे पैसे निकालते वक्त ही गिरफ्तार कर लिया। आईसीआईसीआईसीआई बैंक एटीएम पर बार-बार निकासी की शिकायतों पर निगरानी बढ़ाई गई। सीसीटीवी फुटेज और आसपास की गतिविधियों से लोकल नेटवर्क का खुलासा हुआ।

दिल्ली में 48 घंटे की कार्रवाई में 800 से अधिक साइबर अपराध के आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने 'साइ-हॉक' नामक 48 घंटे के अभियान में विभिन्न साइबर अपराध मॉड्यूल से जुड़े 800 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है या उन्हें कानूनी नियंत्रण के तहत रखा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संयुक्त पुलिस आयुक्त (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस) रजनीश गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि शुक्रवार की सुबह नौ बजे तक 48 घंटे के अभियान में पुलिस ने कुल 877 लोगों को गिरफ्तार किया या उन्हें कानूनी नियंत्रण में रखा है, जबकि साइबर अपराधों के सिलसिले में 509 व्यक्तियों को नोटिस भेजे गए हैं। नौकरी, निवेश, और वर्क-फ्रॉम-होम जैसे धोखाधड़ी के मामलों का भंडाफोड़ किया गया है, जबकि लोगों को ठगने में शामिल कई कॉल सेंटर पर भी छापा मारा गया है। और विवरण की प्रतीक्षा है।

दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के कारण स्कूलों, कॉलेजों से खेल आयोजन स्थगित करने को कहा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के सभी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों और खेल निकायों को बिगड़ती वायु गुणवत्ता के कारण नवंबर और दिसंबर में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी निर्देशों के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि एनसीआर राज्य सरकारों और दिल्ली प्रशासन को क्षेत्र में वायु प्रदूषण के उच्च स्तर को देखते हुए ऐसे आयोजनों को स्थगित करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। बुधवार को जारी एक परिपत्र में शिक्षा एवं खेल निदेशालय ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली सरकार के अधीन सभी संस्थान, सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूल, साथ ही एमसीडी, एनडीएमसी और दिल्ली छावनी बोर्ड द्वारा संचालित स्कूलों को सीएक्यूएम के परामर्श का कड़ाई से पालन करना होगा। आदेश में कहा गया है कि सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और राष्ट्रीय महासंघों और केंद्रीय खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त खेल संघों को भी आदेश का पालन करने के लिए कहा गया है। यह निर्देश अगली सूचना तक लागू रहेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 370 दर्ज किया गया।

बदला लेने के लिए कर दी युवक की हत्या, मामा-भांजे गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर इलाके में रेलवे लाइन के पास युवक की गला रेतकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मामा-भांजे को गिरफ्तार किया है। जबकि एक आरोपित अभी फरार है। जांच में सामने आया कि पूरी वारदात बदले की नीयत से अंजाम दी गई।

पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने शुक्रवार को बताया कि 17 नवंबर की शाम पुलिस को पीसीआर कॉल मिली कि कीर्ति नगर रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में एक युवक मृत पड़ा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो उन्हें एक 32 वर्षीय युवक का शरीर खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। गले पर गहरा कट था। मौके से युवक का मोबाइल और अन्य सामान भी गायब था। जांच में मृतक की पहचान बसई दारापुर निवासी अंगद के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में मृतक को आखिरी बार अमर और उसके रिश्तेदार सत्येन्द्र के साथ देखा गया था। इस आधार पर पुलिस ने दोनों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। जल्द ही पुलिस ने पहले सत्येन्द्र को दबोच लिया। जिसने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि हत्या में अमर का पिता हरीश चंद्र भी शामिल था और पूरी वारदात उसकी जानकारी में हुई।

पुलिस ने तुरंत उसे भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार पूछताछ के दौरान सामने आया कि मृतक अंगद ने अमर की बहन से दोस्ती कर ली थी और वह लगातार उससे अभद्र व्यवहार कर रहा था। वह फोन पर अपमानजनक संदेश भेजता था और कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो लीक करने की धमकी देता था। कई बार समझाने-बुझाने के बावजूद जब वह नहीं माना, तो अमर और उसके परिवार ने बदला लेने का फैसला किया। अमर 14 नवंबर को दिल्ली आया और सत्येन्द्र के घर रुका। पुलिस अधिकारी के अनुसार 16 नवंबर की शाम दोनों अंगद के कमरे में पहुंचे, लेकिन वहां सीसीटीवी कैमरा लगा देखकर उन्होंने तुरंत वारदात को अंजाम नहीं दिया। इसके बाद दोनों ने अंगद को शराब पीने और मामला सुलझाने के बहाने कीर्ति नगर रेलवे लाइन के पास लेकर गए। शराब पीने के दौरान मौके का फायदा उठाकर दोनों ने अंगद को काबू किया और पेपर कटर से उसका गला काटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों तुरंत दिल्ली से फरार हो गए। इस दौरान अमर के पिता हरीश चंद्र लगातार फोन पर दोनों के संपर्क में था और हत्या की योजना में पूरी तरह शामिल रहा। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल हुआ पेपर कटर चाकू, मृतक का मोबाइल फोन और आरोपित सत्येन्द्र के खून से सने कपड़े बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरीश चंद्र (56) और सत्येन्द्र चौधरी (39) के रूप में हुई है और दोनों कीर्ति नगर में ही काम करते हैं। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मुख्य आरोपी अमर अभी फरार है और उसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

इस बार भी नीतीश सरकार

पटना (बिहार) का 'गांधी मैदान' एक बार फिर ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। राज्य में भाजपा–एनडीए सरकार ने शपथ ग्रहण की। नीतीश कुमार लगातार 10वीं बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 7वीं, 8वीं, 9वीं बार मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते 19 साल 2 माह से मुख्यमंत्री पद पर हैं। भाजपा के सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री पद पर यथावत रखा गया है। कमोबेश यह दलबदल और अनिश्चित राजनीति के दौर का कीर्तिमान है। नई विधानसभा में भाजपा 89 सीटों के साथ जनता दल–यू के 85 विधायकों से आगे है। फिलहाल भाजपा के 14, जद–यू के 8, लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के 2 और हम–राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 1–1 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है। भाजपा के 9 नए चेहरे मंत्री बनाए गए हैं। कुल 243 विधायकों में से 202 भाजपा–एनडीए के जीते हैं। जिस विपक्ष ने नीतीश कुमार की उम्र और उनके मानसिक–शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भद्दी टिप्पणियां की थीं, उनमें राजद 25 सीट पर ही सिमट चुका है और कथित राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 सीट आई हैं। दरअसल इस बार भाजपा–एनडीए का जनादेश चुनौतीहीन है। नीतीश कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में देश के प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा, एक दर्जन मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे। यह एनडीए का शक्ति–प्रदर्शन भी था और जनादेश की व्यापकता भी थी कि देश के 60 फीसदी से अधिक इलाके पर भाजपा–एनडीए का शासन है। अब भाजपा के विधायकों की कुल संख्या 1654 और एनडीए के विधायकों का आंकड़ा 2300 से अधिक है। जश्न, उल्लास और उत्साह वाकई चरम पर था। बेशक यह भाजपा–एनडीए की लोकतांत्रिक स्वीकार्यता भी है। बहरहाल नीतीश सरकार के बनते ही बिहार में चुनाव का दौर सम्पन्न हो गया, लेकिन सरकार के सामने वायदों की चुनौतियां असंख्य हैं। जिम्मेदारियां हिमालय–सी हैं। बिहार सरकार को यथाशीघ्र 28, 000 करोड़ रुपए की दरकार है, ताकि वायदों को निभाने की शुरुआत की जा सके। 'जनसुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर, बेशक, चुनाव हार गए, हिस्से में 'बड़ा शून्य' आया, लेकिन उनके आरोप बेहद अहम हैं कि भाजपा–एनडीए ने 29, 000 करोड़ रुपए महिलाओं में बांटे और इस तरह उनके वोट खरीदे गए। इस बार बिहार में 71.78 फीसदी महिलाओं ने वोट दिए और पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने 4 लाख से अधिक वोट डाले। यही भाजपा–एनडीए जनादेश की बुनियाद साबित हुई। प्रशांत का आरोप यह भी है कि नीतीश कुमार ने 40, 000 करोड़ रुपए के वायदे भी किए हैं। उनमें महिलाओं को 2–2 लाख रुपए मुहैया कराने का भी वायदा है।

वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक

भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये–आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारत—रूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा–आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतार—चढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है। हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य-वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदान—प्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज उभरती वैशिक अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और इसी आकांक्षा के साथ वह अपनी मुद्रा—भारतीय रुपये—को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। बदलते भू–राजनीतिक वातावरण, डॉलर–निर्भरता से जुड़ी अनिश्चितताओं तथा बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के उभार ने यह अवसर प्रदान किया है कि भारत क्षेत्रीय और वैशिक व्यापार में रुपये के उपयोग को बढ़ाए। इसी संदर्भ में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरुआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है।

रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है, क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैशिक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है। रूस—यूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने अनुभव किया कि डॉलर आधारित तंत्र के कारण कई लेनदेन बाधित हो जाते हैं और व्यापार प्रभावित होता है। यदि व्यापार सीधे स्थानीय मुद्राओं में हो, तो भुगतान अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकता है तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। साथ ही, कई देश अब अपने व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डॉलर–केंद्रित व्यवस्था धीरे–धीरे परिवर्तित हो रही है। भारत भी इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का स्वाभाविक हिस्सा है।

भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये–आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारत—रूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा–आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतार—चढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है।

हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य–वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदान—प्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है। भारतीय निर्यातकों में भी रुपये आधारित निपटान के प्रति जागरूकता कम है, जिसके कारण वे इस विकल्प का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अंतरराष्ट्रीय भुगतान और संदेश प्रणाली की सीमित परस्पर संपर्कता भी रुपये की स्वीकार्यता को धीमा करती है, क्योंकि अभी भी बड़ी संख्या में देश पारंपरिक वैश्वीकरण संदेश तंत्र पर निर्भर हैं। इन चुनौतियों के बीच भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आई है। इस प्रणाली के अंतर्गत भारत अब संयुक्त रूप से सहमत देशों के साथ सीधे रुपये में व्यापार कर सकता है। संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मॉरीशस और मालदीव के साथ हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार सुगम होगा बल्कि बैंकिंग लागत और भुगतान समय में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिज़र्व बैंक ने पड़ोसी देशों के बैंक एवं नागरिकों को रुपये में ऋण देने की अनुमति देकर नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत ने अपने त्वरित भुगतान तंत्र को कई देशों से जोड़कर एक नई वित्तीय संपर्क व्यवस्था विकसित की है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ त्वरित भुगतान तंत्र का जुड़ना छोटे व्यापारियों, पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों के लिए तत्काल भुगतान को सरल बनाता है, जिससे रुपये की उपयोगिता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती हैं। इसके साथ ही भारत अपनी वित्तीय संदेश प्रणाली को भी साझेदार देशों की प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परंपरागत वैश्विक संदेश तंत्र पर निर्भरता कम होगी। यह व्यवस्था भुगतान प्रक्रिया को राजनीतिक तनावों से सुरक्षित रखेगी और रुपये की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

समग्र रूप से रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक आकांक्षा का आधार है। स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली, डिजिटल भुगतान संपर्क, द्विपक्षीय वित्तीय संवाद और निर्यातकों की जागरूकता—ये सभी घटक मिलकर रुपये को वैश्विक व्यापार में अधिक उपयोगी और स्वीकृत मुद्रा बना सकते हैं। चुनौतियाँ अवश्य हैं, परंतु बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत के पास अवसर भी विशाल है। यदि भारत अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करे, भुगतान तंत्र को सरल बनाए और रुपये की स्थिरता को मजबूत करे, तो आने वाले वर्षों में रुपये की वैश्विक भूमिका निश्चित रूप से विस्तार पाएगी।

भारत विरोधी मिशेल बैश्लेट को सम्मानित करती कांग्रेस

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत को जिसने किया बदनाम, कांग्रेस ने दिया उसे इंदिरा गांधी सम्मान। यह वाक्य सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है, वस्तुतः आज की भारतीय राजनीति और उसके अंतरराष्ट्रीय रिश्तों की समझ का कटु सत्य है। कांग्रेस किस तरह उन अंतरराष्ट्रीय चेहरों को प्रोत्साहित करती दिखती है, जो विश्व मंचों पर भारत की छवि को धूमिल करने में सक्रिय रहे हैं इसका नया उदाहरण इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार के लिए चिली की पूर्व राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख रह चुकी मिशेल बैश्लेट का चयन है। जिस व्यक्ति ने भारत के आंतरिक मामलों पर बार–बार पक्षपातपूर्ण और तथ्यहीन टिप्पणियाँ की हों, वह कांग्रेस के लिए शांति और मानवाधिकारों की प्रतीक हो सकती हैं, यह सोच कर भी आश्चर्य होता है, फिर तो वह इस पूरे परिदृष्य को हकीकत में बदल चुकी है!

कहने को पुरस्कार इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा दिया जाता है, जिसकी अध्यक्ष सोनिया गांधी हैं। पुरस्कार देते समय दावा यही किया जाता है कि ये उन लोगों को प्रदाय होता है जिन्होंने वैश्विक शांति और विकास में रचनात्मक योगदान दिया हो। प्रश्न यह है कि क्या यह नहीं देखा जाना चाहिए कि वह व्यक्ति भारत की संप्रभुता, उसकी लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसकी सुरक्षा को लेकर किस तरह के रवैये रखता है? या कांग्रेस को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उक्त व्यक्ति ने विश्व मंचों पर बार–बार भारत को कठघरे में कितनी ही बार क्यों न खड़ा किया हो? आज मिशेल बैश्लेट का नाम आते ही भारत के प्रति उनका वही रवैया याद आता है जो लगातार आलोचनात्मक रहा, वह भी एकतरफा और गैर–जिम्मेदाराना तरीके से। यह वही बैश्लेट हैं जिन्होंने बार–बार भारत के प्रयासों, उसके सुधारों और उसकी नीतियों को न तो समझा और न स्वीकारा। उनका रुख शुरू से अंत तक ऐसा रहा है जैसे भारत किसी दमनकारी शासन वाला देश हो और वे एक न्यायधीश बनकर भारत पर टिप्पणियाँ करना अपना अधिकार समझती हों।

सीएए के खिलाफ जब देश में भ्रम फैलाया जा रहा था, तब भी बैश्लेट ने एक कदम आगे बढ़कर सुप्रीम कोर्ट में याचिका तक दाखिल करवाई। किसी को ये नहीं भूलना चाहिए कि यह भारत की संसद द्वारा स्वीकृत विधेयक था, जो पड़ोसी देशों में प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को संरक्षण देने के लिए लाया गया था, किंतु बैश्लेट ने इसे मुसलमानों के खिलाफ बताया और प्रचारित किया, जबकि ये सच नहीं। भारत सरकार द्वारा बार–बार ये स्पष्ट किया गया था कि सीएए देश का आंतरिक विषय है, पर बैश्लेट कब मानने वाली थीं, उन्होंने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए खूब भुनाया। इसी तरह से सितंबर 2021 में देखने में आया कि कैसे उन्होंने मानवाधिकार काउंसिल में कश्मीर में प्रतिबंध, ब्लैकआउट, पत्रकारों पर दबाव जैसे विषयों को मुद्दा बनाया था। भारत ने स्पष्ट कहा कि ये टिप्पणियाँ गलत जानकारी पर आधारित हैं और भारत की संप्रभुता से जुड़े मामलों में किसी विदेशी संस्था की कोई भूमिका नहीं। पर इस के बाद भी यह बैश्लेट थीं जिन्हें हर बार भारत की आलोचना में ही रस मिलता था।

वस्तुतः जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद भारत ने जिस शांतिपूर्ण और संवेदनशील तरीके से स्थिति को संभाला, उसे विश्व ने सराहा, किंतु बैश्लेट ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को आरोपों से घेरने में कोई कमी नहीं छोड़ी। यह वही वक्त था जब भारत दुनिया को बता रहा था कि कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल की जा रही है और आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन बैश्लेट को कोई सुधार नहीं दिखे, वे इस वक्त में कह रही थीं कि जम्मू–कश्मीर में मानवाधिकारों का हनन हो रहा है, पेलेट गन का इस्तेमाल जारी है और भारत ने पब्लिक पार्टिसिपेशन की जगह कम कर दी है। वास्तव में उन्होंने वही कहा जो भारत–विरोधी तत्व चाहते थे। मिशेल बैश्लेट आगे इतने पर भी कहा रुकनेवाली थीं, जब भारत ने विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग पर एमनेस्टी इंटरनेशनल के खिलाफ कार्रवाई की, तब भी उन्हें भारत का कानून गलत नजर आया। उन्होंने कहा कि एफसीआरए में ही खामियाँ हैं। सवाल यह है कि क्या अब कोई विदेशी संस्था यह बताएगी कि भारत को अपने कानून कैसे बनाने चाहिए? ऐसे ही किसान आंदोलन के दौरान जब कुछ समूह आंदोलन की आड़ में हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने लगे और 26 जनवरी की घटनाओं ने पूरे देश को झकझोरा, तब भी बैश्लेट ने वही किया जो वह करती आई हैं, उन्होंने भारत की भरपूर आलोचना की और सरकार को किसानों का विरोधी करार दिया।

उनके द्वारा जब–जब भी संभव हुआ, वे भारत में दलितों, जनजातियों और मुस्लिमों को लेकर हमेशा पक्षपातपूर्ण रिपोर्टें तैयार करती रहीं, जिनमें आधे–अधूरे और गलत तथ्य भरे रहते। उनके बयानों का एक ही उद्देश्य होता कि कैसे ज्यादा से ज्यादा यह दिखाया जा सके कि भारत एक ऐसा देश है जो अपने नागरिकों के अधिकारों का सम्मान नहीं करता। यह वही नैरेटिव है जिसे वर्षों से कुछ अंतरराष्ट्रीय समूह आगे बढ़ाते आए हैं और जिसे भारत का विपक्ष अक्सर राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करता है। वस्तुतः आज ऐसे व्यक्ति को कांग्रेस द्वारा सम्मानित करना यह दर्शा रहा है कि वह उन अंतरराष्ट्रीय आवाजों को मंच देना चाहती है जो भारत की छवि को कमजोर दिखाने में लगे हों। बैश्लेट को सम्मान देने का अर्थ है कि कांग्रेस उनकी भारत–विरोधी टिप्पणियों को सही मानती है। इसे देखकर कहना होगा कि कांग्रेस के लिए शायद यह पुरस्कार बैश्लेट की उपलब्धियों के लिए नहीं, बल्कि भारत की नीतियों पर उनकी आलोचनाओं के लिए है। यह ठीक वही राजनीति है जिसमें भारत की छवि, भारत की संप्रभुता और भारत के हित से ज्यादा अहम होता है अपना राजनीतिक नैरेटिव। कांग्रेस बैश्लेट में वही आवाज देखती है जो उनकी सोच के अनुकूल भारत को हमेशा विवादों में घिरा, कमजोर और संघर्षरत दिखाने की कोशिश करती है। यदि कांग्रेस सच में भारत के विकास, उसकी प्रगति और उसकी वैश्विक साख की परवाह करती तब वह ऐसे व्यक्ति को सम्मान देने से पहले हजार बार सोचती जरूर] जिसने भारत को बदनाम करने का कोई मौका कभी नहीं छोड़ा।

वस्तुतः आज सम्मान के लिए बैश्लेट जैसी शख्सियत का चयन कांग्रेस की उस मानसिकता को उजागर करता है, जिसमें भारत की आलोचना करने वाले ही अधिक सम्मानित होते हैं। ऐसे में दिख यही रहा है कि वास्तविकता में कांग्रेस को न तो भारत का विकास रास आता है और न ही वह भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उभरते हुए और आगे बढ़ते हुए देखने में खुशी रखती है,अन्यथा कोई कारण नहीं कि वे इस पुरस्कार के लिए ऐसे चेहरे का चुनाव करती, जिसके आचरण में शुरू से अंत तक भारत विरोध के अतिरिक्त अन्य कुछ भी शेष नहीं।

विश्वीस का तरीका बदलना होगा तभी भगवान को जान पाएंगे

मेरे आसपास के सभी लोग भगवान को मानते हैं, इसलिए मैं भी भगवान को मानता हूं। सब भगवान में अटूट विश्वास रखते हैं, इसलिए मैं भी रखता हूं। सब मंदिर जाते हैं, इसलिए मैं भी जाता हूं। जो सब कह रहे होते हैं या फिर जो सब कर रहे होते हैं, उसमें आपकी खोज तो कुछ भी नहीं, इसमें तो कोई गहरी बात नहीं। जिसने भगवान को अनुभव किया, उसने भगवान में श्रद्धा और विश्वास रखा! यदि उसने भी भेड़चाल की तरह दूसरों के कहने में आकर बिना भगवान को अनुभव किए उनके प्रति श्रद्धा अनुभव की या विश्वास किया तो यह ज्ञान सहित विज्ञान नहीं। फिर यह केवल मान्यता है, और मान्यता दौड़ाती बहुत है, पहुंचाती कहीं भी नहीं। मानना और जानना, दोनों में बड़ा अंतर है। सब मानते हैं, इसलिए हम भी मानेंगे की प्रवृत्ति सही नहीं है। मानने से ऊपर उठकर हमें जानने में आना होगा। यदि हमने ईश्वर को दूसरों की देखा–देखी ही माना तो उनमें हमारा विश्वास आने–जाने वाला ही होगा। वह विश्वास हमेशा एक जैसा रहने वाला नहीं होगा। उस विश्वास में स्थायित्व की भावना का अभाव होगा। जब जीवन में सब ठीक चल रहा होता है तो मन में जो भी बनावटी विश्वास होते हैं, वे ठीक हैं और वे चल भी जाते हैं। लेकिन जब जीवन में परिस्थितियां उलटी–पुलटी हों, विपरीत हों, जो सोच कर चल रहे हों, वह हो ही न रहा हो तो उस समय यह जो ऊपर वाला विश्वास है, वह डगमगा जाएगा। इस ऊपर–ऊपर वाले विश्वास में कोई गहराई नहीं होती। इसकी सीधी वजह यह है कि यह विश्वास अनुभव के आधार पर नहीं होता, बल्कि सुनी–सुनाई बातों के कारण हो रहा होता है। वैसे भी जो देखा न जा सके, उसमें विश्वास करना कठिन ही होता है। लेकिन उस परमात्मा को अनुभव करने की शक्ति भी हमारे ही अंदर निहित है। हम सब में परमात्मा का निवास है। तो सबसे पहले अपने विश्वास को नए तरीके से स्थापित करना होगा। उसको अपने अनुभव के आधार पर नया जन्म देना होगा और यह तब होगा जब यह भाव पक्का होगा कि कोई शक्ति तो है जो सारे विश्व को बड़ी बारीकी से और व्यवस्थित तरीके से चला रही है। कोई तो ताकत है जो हमारे शरीर को निरंतर गति दे रही है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1920 - 'हकीम अजमल ख़ान जामिया' के पहले चांसलर बने।
1963 - डलास में सं.रा. अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ़, केनेडी की हत्या।
1975 - जुआन कार्लोस स्पेन के राजा बने।
1990 - ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर द्वारा त्यागपत्र की घोषणा।
1997 - भारत की डायना हेडेन विश्व सुंदरी बनी।
1998 - बांग्लादेश की विवादास्पद लेखिका तस्लीमा नसरीन ने ढाका की अदालत में आत्मसमर्पण किया।
2000 - पाकिस्तान व ईरान पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रतिबंध।
2002 - मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन के विरोध में नाइजीरिया में भड़के दंगे में सैंकड़ों लोग मारे गये।
2005 - एंजेला मर्केल जर्मनी की पहली महिला चांसलर बनीं।
2007 - ब्रिटेन में अवैध प्रवासी की समस्या पर काबू पाने के लिए कड़ी घोषणायें की गईं।
2008 - हिन्दी के प्रख्यात कवि कुंवर नारायण को वर्ष 2005 के ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु चुना गया।

जन्म

1864 - रुक्माबाई – भारत की प्रथम महिला चिकित्सक थीं।
1882 - वालचंद हीराचंद – भारत के प्रसिद्ध उद्योगपतियों में से एक थे।
1899 - शहीद लक्ष्मण नायक – वरिष्ठ भारतीय स्वतंत्रता सेनानी।
1901 - विष्णु सहाय – भारतीय राज्य असम और नागालैंड के राज्यपाल थे।
1913 - एल. के. झा – भारतीय रिजर्व बैंक के आठवें गवर्नर थे।
1916 - शांति घोष – वरिष्ठ भारतीय स्वतंत्रता सेनानी।
1939 - मुलायम सिंह यादव – 'समाजवादी पार्टी' के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री
1948 - सरोज खान – प्रसिद्ध भारतीय कोरियोग्राफर थीं।
1986 - ब्लेड रनर ऑस्कर पिस्टोरियस का जन्म।

निधन

1774 - रॉबर्ट क्लाइव – ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा भारत में नियुक्त होने वाला प्रथम गवर्नर था।
1881 - अहमदुल्लाह – भारत के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे।
1967 - तारा सिंह – प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा कट्टर सिक्ख नेता।

जिहाद को रोकने के लिए सभी को विचार करना होगा

अरुण कुमार दीक्षित

राष्ट्र विरोधी ताकतें पुनः सक्रिय हैं। वे शांति नहीं पसंद करती हैं। उन्हें हिंसा आनंदित करती है। वह हिंसक हैं। हमलावर हैं। रक्त पिपासु हैं। उनके हमले सदियों से जारी हैं। वह थोड़ा रुकते हैं फिर गोला–बारूद का इंतजाम करते हैं। बमों से भारत को रक्त रंजित करते हैं। निर्दोषों की हत्यायें करते हैं। गत 11 नवम्बर को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के निकट बम धमाकों में 13 से अधिक निर्दोष नागरिक मारे गए। 32 घायल हुए। जम्मू के नौगाम में भी बम धमाके में लोगों की मौते हुई हैं।

भारत विरोधी यह कार्रवाई प्राचीन काल से जारी है। नाम बदल जाते हैं। मगर उनका लक्ष्य भारत को ₹दारुल हरब₹ बनाना है। भारत ही क्यों पूरी दुनिया में आतंकी हमलावर हैं। उनका जिहादी विचार हिंसा से ही जन्मा है और जन्म के गुणसूत्र प्रायः नष्ट नहीं होते हैं। यह हमले सिंध के रास्ते 712 ई0 से भारत पर जारी हैं। हम सब भारत के लोग प्रतिदिन शांति पाठ करते हैं। हम भोजन भी शांति पाठ से करते हैं। वे भोजन को भी हिंसा से ही शुरू करते हैं। उनकी हिंसा भारत के विरुद्ध लगातार जंग ही है। हम सहिष्णु हैं। हम शांतिवादी पहले से हैं। हम सब राष्ट्रवादी, समाजवादी, बहुजनवादी, बाद में है। वह जिहादी आतंकवादी हैं। अलग–अलग रंग के भाषा बोली के हो सकते हैं। उनका भारत के विरुद्ध धर्म जिहाद है। यह ₹दारुल हरब₹ की कार्रवाई है। वे मानते हैं इस घृणित निंदित कार्रवाई में अल्लाह उन्हें जन्नत बख्सेगा। जन्नत के सपने (ख्वाब) दिखाकर आतंकी संगठन अपना हिंसक परिवार बढ़ाते हैं। बहुसंख्यक इस पर ध्यान नही देते हैं।

गौतम बुद्ध और महावीर लगातार शांति, अहिंसा के उपदेश देते रहे। उनकी देशनायें उपयोगी हैं भी। भारत के लोगों ने उनकी शांति अहिंसा को अपनी जीवन शैली का भाग बनाया। महाभारत के बाद महाभारत जैसा युद्ध पृथ्वी पर फिर नहीं हुआ है। तब से लगातार शांति की यात्रा में भारत रहता आया है। हम शांति की अभीप्सा पैदा करते हैं। वसुधैव कुटुंब के अभिलाषी हैं। निष्कपट निश्छल, सरल तरल,सौम्य वात्सल्य से भरा समाज राष्ट्र निर्मित करने में विश्वास रखते हैं। मगर आतंकवादी अलगाववादी हमारा प्रेम रस नहीं देख पाते। उन्हें हम भारत के लोग (कुफ़्र) काफिर ही दिखाई देते हैं। काफ़िर को लेकर उनकी जो विचारधारा है वह हत्या कर देने की ही है। वह अपनी ड्यूटी पर हैं। वह खुदा के मार्ग पर हैं कि खुदा निर्दोष लोगों के रक्त बहाने से प्रसन्न होगा। क्या कोई पैगंबर रसूल निर्दोष मनुष्यों के रक्त से प्रसन्न होता होगा अथवा होता है?

पूरी दुनिया में इस्लामिक आतंकवाद को लेकर बहस है। सैनिकों से झड़पें हैं। सैन्य अधिकारियों की हत्याएं हैं तो भी आतंकवादी समूह बढ़ रहे हैं। उनके पास गोला –बारूद बढ़ रहा है। अत्याधुनिक हथियार पहुंच रहे हैं कैसे? इसका जिम्मेदार कौन? अनेक राष्ट्रों के बीच आतंकी कार्रवाई के लिए यह बारूद कौन उपलब्ध कराता है? आतंकी भारत में अपनी योजना में कैसे सफल हो जाते हैं ? यह यक्ष प्रश्न है। उनकी योजना में भारत के निवासी शामिल है? पूर्व में भी अकाट्य रूप से प्रमाणित हो चुका है कि आतंकी हमले सांठगांठ से हुए। एक बार फिर तथ्यात्मक रूप से खुफिया एजेंसियों को प्रमाण मिले हैं कि तार कहां से जुड़े हैं। आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई में राजनीतिक दलों में मतभेद है। राजनीतिक दल आतंकी हमले से व्यथित नहीं दिखाई देते हैं। वह चुनाव को सर्वोपरि मानते हैं, राष्ट्र को नहीं। दलों के लिए चुनाव संजीवनी है। निर्दोष लोग बमों–गोलियों से उड़ा दिया जाते हैं। यह दलों के लिए कुछ निंदा–भर्त्सना मात्र है। एक आंकड़ा भर है। मगर उन परिवारों को जिनके बच्चे बिलख रहे हैं। माताएं फफक रही हैं। कई अनाथ हैं, कई के परिवार नहीं बचे हैं। कई के शवों के टुकड़े खोजने पड़ते हैं। यह राजनीतिक संवेदन शून्य लोग केवल राजनीति में जुटे रहते हैं।

जिहाद के विरुद्ध राजनीतिक दल एकजुट होकर काम करें मगर यह नहीं हो रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा आतंकवाद के प्रमुख कारण क्या है? आतंकवादी कहां से आते हैं? आतंकवादियों का संरक्षक कौन है? घटना के बाद आतंकवादी कहां छिपते हैं ? उनके मददगार कौन है? आतंकी घटनाओं के बाद राजनीतिक दलों के नेताओं के टीवी और अखबारों में वक्तव्य होते हैं। आतंकवादियों पर कार्रवाई के समय वही दल उनके पक्ष में दिखते हैं। ऐसे दलों पर शिकंजा होना चाहिए। कुछ विपक्षी दलों द्वारा अनेक आतंकी घटनाओं को भगवा आतंकवाद की करतूत कुछ वर्ष पहले बताया गया था। यह भ्रमित और छद्म कार्रवाई का एजेंडा है। जिहाद के स्वरूप को समझना होगा। आखिर जिहाद के एजेंडे को राजनीतिक दल समझ क्यों नहीं रहे हैं। जिहाद के सूक्ष्म तत्व और उसके सूत्रों का अभी तक क्या अध्ययन करना शेष है? जबकि दारूल इस्लाम बनाना उनके लक्ष्य है। दारूल इस्लाम अर्थात इस्लामी शासन व्यवस्था लागू करना। दारुल हरब यानी जहां पर काफिरों का शासन हो।

भारत की राजनीति भारतीय संस्कृति के अनुसार ही होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को यह अधिकार देना कि वे राष्ट्रद्रोह को भारत को खंड–खंड करने वालों के साथ आसानी से खड़े रह सकते हैं कदापि उचित नहीं है। अगर ऐसा हो रहा है तो इसको लेकर पहले प्रबुद्ध जन सहित सभी जिहाद को ठीक से समझें। अभी तो यही है कि बम फेंका गया कुछ लोग मर गए। संचार माध्यमों से सरकारी पार्टी और प्रतिपक्षियों के बयान आ गए। सबने समाचार पत्र पढ़ लिए। दो–तीन दिन चर्चा हुई बात खत्म हुई। वही जिहादी अगले हमले की तैयारी में रहते हैं। आखिर यह कब समझा जाएगा कि ₹इस्लामी जिहाद₹ भारत के विरुद्ध जंग ही है। जिहाद के विरुद्ध खुली बात करने का समय आ गया है। वहीं सर्वदलीय सभी विचारधाराओं को इस पर एक कड़ा और बड़ा अभियान करना होगा। जिहाद से लड़ना होगा। भारत के पढ़े–लिखे प्रबुद्ध जन भी यह मानते हैं कि जिहाद से लड़ना सेना की, पुलिस की, सरकार की, अधिकारियों की ही जिम्मेदारी है। सबकी जिम्मेदारी है। सब राष्ट्र हित के लिए आगे आएं। इसमें सरकार बात करे। विपक्षी दल बात करें। जो तटस्थ हैं वह भी आगे आएं तब ही जिहाद के विरुद्ध लड़ाई होगी। जिहाद को समाप्त नहीं करेंगे तो स्वयं समाप्त होने के लिए तैयार रहें।

भारत में जिहाद बड़ा खतरा है। परिणाम भयंकर होंगे। सभी उसकी सीमा के भीतर हैं। यह भारत की बात हो अथवा दुनिया के किसी देश की जिहाद को झेलना पड़ेगा। अभी यह माना जाता है कि राष्ट्रों के विकसित होने से संपूर्ण जनों के सुशिक्षित हो जाने से हिंसा रुकेगी। जबकि ऐसा नहीं है। जिहादी संगठनों में प्रायः सभी उच्च शिक्षित ही पाए जाते हैं। विकास का जेहाद रोकने में कम से कम कोई योगदान नहीं हो सकता है। जितना अधिक हाईटेक हथियार उतना हाईटेक जिहाद। वैज्ञानिक विकास के साथ बढ़ता जिहाद। जिहाद विचार है इस विचार के विरुद्ध विचार हो तो रुकेगा जिहाद। नहीं तो घटनाएं हो रही हैं। लोग मारे जा रहे हैं। निंदा हो रही है, कानून बना रहे हैं। जिहाद बढ़ रहा है। बढ़ते संकट के बीच आशा की जा रही है कि केन्द्र सरकार खुफिया एजेंसियों को जिस तरह निर्देश हैं कि वे इस नेटवर्क को खोज कर समाप्त करें दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

नेहरू का लेखन सिर्फ इतिहास नहीं, भारत की चेतना का अभिलेख हैं: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के एक डिजिटल अभिलेखागार का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को कहा कि नेहरू का लेखन सिर्फ इतिहास नहीं, बल्कि भारत की विकसित होती चेतना का अभिलेख है। 'जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड' (जेएनएमएफ) ने नेहरू से संबंधित लगभग 35,000 दस्तावेज और 3000 चित्रों को समेटकर एक बड़ा 'ऑनलाइन अभिलेखागार' तैयार किया है। जेएनएमएफ का कहना है कि 'नेहरू आर्काइव डॉट इन' पर नेहरू के संबंध में 1920 से 1960 के दशक तक के कई पहलुओं को समेटा गया है तथा इस पर कोई दस्तावेज मुफ्त में 'सर्च' और 'डॉउनलोड' किया जा सकता है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "नेहरू का लेखन सिर्फ इतिहास नहीं है, वे भारत की विकसित होती चेतना का अभिलेख हैं। हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनके शब्द एक शक्तिशाली दिशा सूचक यंत्र बने हुए हैं।" उन्होंने कहा, "मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सभी के लिए खुली, 'सर्च' करने योग्य और निःशुल्क है। इसका विस्तार होता रहेगा।" कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस अभिलेखागार का जिक्र करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, "पंडित नेहरू और भारत के लिए उनकी महान उपलब्धियों के बारे में जानबूझकर की गई विकृति, दुष्प्रचार और गलत सूचना के युग में सच्चाई और भावी पीढ़ी के लिए उनके लेखन को डिजिटल बनाना सार्थक है। मुझे खुशी है कि 'द नेहरू आर्काइव' अब लाइव है।" उन्होंने कहा कि यह जवाहरलाल नेहरू के लेखन (पत्रों, भाषणों, नोट और अन्य सामग्री) का पहला व्यापक और डिजिटल संग्रह है जो सभी के लिए निःशुल्क सुलभ होगा। ये सभी लेख एक-दूसरे से जुड़े होने के साथ हर किसी के लिए सहज रूप से उपलब्ध होंगे।

आदिवासियों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने की सुनियोजित साजिश है एसआईआर: कांग्रेस

कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) आदिवासियों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने की सुनियोजित साजिश है। पार्टी के आदिवासी विभाग के प्रमुख विक्रांत भूरिया ने यह भी कहा कि आदिवासियों के लिए एक प्रवासन नीति बननी चाहिए। उन्होंने मध्य प्रदेश में सिविल जज परीक्षा-2022 के परिणाम को लेकर भी सवाल खड़े किए और कहा कि एक भी आदिवासी का चयन नहीं किया गया, जो आरक्षण खत्म करने का एक तरीका है। भूरिया ने कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, "एसआईआर में की गई जल्दबाजी से आदिवासियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर राज्यों में आदिवासी पलायन पर हैं। हालात ये हैं कि 70 प्रतिशत से ज्यादा गांव खाली पड़े हुए हैं। ये सरकार आदिवासियों को रोजगार नहीं दे पाई।" उन्होंने आरोप लगाया, "एसआईआर की प्रक्रिया जानबूझकर ऐसे समय में की गई, जब आदिवासी घरों में नहीं हैं। ये आदिवासियों को सुनियोजित तरीके से मतदान की प्रक्रिया से बाहर करने की साजिश है।" उन्होंने मध्य प्रदेश में सिविल जज परीक्षा-2022 का उल्लेख करते हुए कहा, "मध्य प्रदेश में 2 करोड़ के करीब आदिवासी हैं, लेकिन सिविल जज परीक्षा 2022 का परिणाम दिखाता है कि भाजपा और उसके 'सिस्टम' को एक भी काबिल आदिवासी नहीं मिला।" भूरिया ने दावा किया कि इस परीक्षा में 121 सीट आदिवासियों के लिए आरक्षित थीं, लेकिन एक का भी चयन नहीं हुआ तथा साल 2021 से यही स्थिति चली आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आरक्षण को ख़त्म करने का एक सुनियोजित तरीका है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह परीक्षा रद्द मानी जाए और इसकी उच्च स्तरीय जांच हो।

एसआईआर कार्य से परेशान गुजरात कोडीनार के शिक्षक ने की आत्महत्या

गुजरात । गुजरात के शिक्षा जगत को हिला देने वाली एक दर्दनाक घटना गिर सोमनाथ जिले के कोडीनार में सामने आई है। चुनावी कार्यों के दबाव और तनाव के कारण एक शिक्षक ने आज शुक्रवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक शिक्षक अरविंदभाई वाढ़ेर कोडीनार के देवलिया गांव का निवासी था और छारा कन्या प्राथमिक स्कूल में कार्यरत थे। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने मतदाता सूची सुधार कार्यक्रम के कामकाज से उत्पन्न मानसिक दबाव का उल्लेख किया है। अरविंदभाई वाढ़ेर 2010 से शिक्षक के रूप में सेवा दे रहे थे।

हाल ही में शिक्षकों को बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के रूप में भी जिम्मेदारी दी गई थी। आत्महत्या से पहले लिखे गए नोट में उन्होंने साफ लिखा कि वह एसआईआर की कार्यवाही से बेहद परेशान हो चुके थे और इसी मानसिक तनाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। इस घटना ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों पर थोपी जाने वाली गैर-शैक्षणिक जिम्मेदारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्तमान स्थिति ऐसी है कि ₹सरकारी कार्य के कारण बच्चे शिक्षक को ढूंढते हैं। शिक्षक मतदाताओं को ढूंढते हैं और मतदाता अपने नाम मतदाता सूची में खोजते फिरते हैं।₹ विशेष गहन पुनरीक्षण की जिम्मेदारियों में शिक्षक व्यस्त होने से स्कूलों में शिक्षा कार्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। यह पिछले 3 दिनों में कार्यभार के चलते शिक्षक की मौत का दूसरा मामला है। इससे पहले कपरडवंज में रमेश परमार नामक शिक्षक की बीएलओ की ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

सुसाइड नोट में तनाव का जिक्र

"मैं खुद जांच करूंगा": शिक्षा मंत्री

राज्य शिक्षा मंत्री प्रद्यूमन वाजा ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस मामले की व्यक्तिगत जांच करेंगे और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

शिक्षक संघ का रोष

इस घटना के बाद शिक्षक संघों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि बीएलओ के कार्य में जिस तरह शिक्षकों पर टारगेट का दबाव बनाया जाता है, वह उन्हें भारी मानसिक तनाव देता है। पढ़ाई के बजाय शिक्षकों को अन्य कार्यों में झोंक देने से ऐसे हादसे हो रहे हैं। संघ ने मृतक शिक्षक के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि की मांग भी की है। संघ का कहना है कि मृतक की सुसाइड नोट पढ़कर ही समझ आ जाता है कि शिक्षकों पर कितना दबाव है।

इंद्रनील राज्यगुरु का तंत्र पर हमला

कांग्रेस नेता इंद्रनील राज्यगुरु ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वास्तविक और पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। बीएलओ के कामकाज में अत्यधिक दबाव डालकर शिक्षकों की नौकरी को जोखिम में नहीं डालना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि—"भाजपा मतदाता सूची जल्दबाज़ी में तैयार करवा रही है, ताकि उसमें गड़बड़ी कर सकें। मत-चोरी के सहारे चुनाव जीतना लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है।" कांग्रेस नेता इंद्रनील ने घोषणा की कि अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद एक महीने तक कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर जांच करेंगे कि किन लोगों के नाम हटे हैं और किनके गलत नाम जोड़े गए हैं। कांग्रेस ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो और एक भी वैध मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।

संक्षिप्त खबरें

विस अध्यक्ष ने दिलाई जम्मू में दो नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने शुक्रवार को जम्मू में दो नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई।इन विधायकों में बडगाम से पीडीपी के आगा मुंतज़िर मेहदी और नगरोटा से भाजपा की देवयानी राणा हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर में रिक्त सीटों के लिए हुए उपचुनाव में देवयानी राणा ने भाजपा के लिए नगरोटा सीट बरकरार रखी। उन्होंने नेशनल पैंथर्स पार्टी (जेकेएनपीपी) के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह को भारी मतों से हराया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगा मुंतज़िर मेहदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा महमूद को हराकर बडगाम सीट जीती है।

पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर में भूकंप के तेज झटके, कोलकाता में लोग घरो से बाहर निकले

कोलकाता। शुक्रवार सुबह पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे कई जिलों में लोग घरो और इमारतों से घबराकर बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के नरसिंदी में था, जहां सुबह 10.08 बजे 13 किलोमीटर दक्षिण दक्षिण पश्चिम में 5.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसकी गहराई 10 किलोमीटर बताई गई। कोलकाता में झटके अचानक महसूस होते ही कई इलाकों में लोग सुरक्षित स्थान की तलाश में सड़क पर निकल आए। पार्क स्ट्रीट, काकुरगाछी, बीटी रोड और साल्ट लेक जैसे क्षेत्रों में इमारतों से बाहर निकलती भीड़ देखी गई। कुछ स्थानों पर मल्टीस्टोरी इमारतों के निवासियों ने बताया कि झटकों के दौरान कमरे की दीवारें और फर्नीचर हिलते महसूस हुए। सोशल मीडिया पर लोगों ने तेज झटकों का अनुभव साझा किया है। कई यूजर्स ने अपने घरों के पंखो के हिलने के वीडियो पोस्ट किए, जबकि कुछ ने सडकों के वीडियो साझा किए जिनमें लोग भय से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। कुछ पोस्ट में ऑफिस और अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स खाली कराते हुए भी तस्वीरें साझा की गईं। असम के गुवाहाटी और आसपास के जिलों में भी झटके स्पष्ट महसूस हुए। अचानक आए भूकंप से लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की कोशिश में इमारतों से बाहर निकल आए। अधिकारियों के अनुसार अभी तक जनहानि या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है, लेकिन स्थिति पर नजर रखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप का केंद्र कम गहराई पर होने के कारण झटके अपेक्षाकृत ज्यादा तीव्र महसूस हुए।

सात राज्यों ने जन विश्वास कानून की तर्ज पर अपने कानून बनाए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शासन वाले सात राज्य जन विश्वास अधिनियम की तरह सुधारों पर जोर दे रहे हैं। यह कानून जेल की सजा की जगह जुर्माने का प्रावधान करके छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करता है, ताकि निवेश का माहौल अधिक भरोसेमंद और व्यापार हितैषी हो। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि इस साल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत सात राज्यों ने जन विश्वास अधिनियम की तरह अपने कानून पारित किए या अध्यादेश जारी किए। अधिकारियों ने कहा, "ये सुधार मिलकर विश्वास आधारित शासन की ओर एक संरचनात्मक बदलाव दर्शाते हैं।" उन्होंने कहा कि राज्यों के संयुक्त प्रभाव से उद्यमिता को बढ़ावा मिलने, मुकदमेबाजी कम होने, विनियामक स्पष्टता मिलने और राज्य स्तर पर निवेश का माहौल अधिक भरोसेमंद और व्यापार हितैषी बनने की उम्मीद है। महाराष्ट्र ने जन विश्वास अध्यादेश, 2025 को मंजूरी दे दी है, वहीं मध्य प्रदेश में, 24 अधिनियमों की 144 धाराओं में बदलाव की कोशिशें जारी हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने जुलाई में अपना जन विश्वास विधेयक पारित किया, जिसमें आठ कानूनों के 163 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया और जेल की सजा की जगह जुर्माने का प्रावधान किया गया। गुजरात जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक ने छह विभाग के 11 कानूनों से संबंधित 516 प्रावधान में बदलाव किया। इसी तरह हरियाणा और ओडिशा ने भी अध्यादेश जारी किए हैं।

देश में उन्नत टीका निर्माण को बढ़ावा

केंद्र ने टेक इन्वेंशन को पीसीवी-16 वैक्सीन बनाने के लिए टीडीबी को दी आर्थिक मदद

नई दिल्ली। देश में उन्नत टीकों के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने नवी मुंबई स्थित टेकइन्वेंशन लाइफ केयर लिमिटेड को 16-वैलेंट न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी-16) के स्वदेशी उत्पादन के लिए वाणिज्यिक स्तर की सीजीएमपी सुविधा स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता दी है।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, पीसीवी-16 वैक्सीन 16 विशेष न्यूमोकोकल सिरोटाइप पर आधारित है, जो भारत और अन्य निम्न- एवं मध्यम-आय वाले देशों में इनवेसिव न्यूमोकोकल बीमारी, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस और उच्च मृत्यु जोखिम से जुड़े पाए जाते हैं। इसमें 13 सिरोटाइप वैश्विक टीका प्लेटफॉर्म से मेल खाते हैं, जबकि 12एफ, 15ए और 22एफ जैसे तीन उभरते सिरोटाइप शामिल किए गए हैं ताकि गैर-वैक्सीन समूहों से बढ़ते खतरों के खिलाफ व्यापक सुरक्षा मिल सके। कंपनी ने वैक्सीन का शुरुआती अनुसंधान फरीदाबाद स्थित बीएसएल-2 फैसिलिटी में किया और बाद में इसे नवी मुंबई के 'होराइजन' नामक जीएमपी-अनुरूप उच्च-सुरक्षा आरएंडडी केंद्र में आगे बढ़ाया। इसके डिजाइन और प्रक्रिया को सुरक्षित रखने के लिए भारतीय पेटेंट भी दायर किया गया है।

टीडीबी का सहयोग मिलने के बाद परियोजना अब पूर्ण पैमाने पर निर्माण की ओर बढ़ेगी, जिससे देश की वैक्सीन आत्मनिर्भरता मजबूत होगी और भविष्य में मल्टीवैलेंट प्लेटफॉर्म विकसित करने की राह भी खुलेगी। टेकइन्वेंशन लाइफ केयर 15 से अधिक पेटेंट हासिल कर चुकी है और कई स्वदेशी टीका परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिनमें भारत का पहला 6-इन-1 मेनिंगोकोकल कंजुगेट वैक्सीन भी शामिल है।

टीडीबी सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि पीसीवी-16 जैसी उच्च प्रभाव वाली अगली पीढ़ी की वैक्सीन तकनीक भारत की राष्ट्रीय तैयारी को मजबूत करेगी। वहीं, कंपनी के प्रवर्तकों ने कहा कि टीडीबी का समर्थन बड़े पैमाने पर किफायती उत्पादन को गति देगा और भारत तथा विकासशील देशों के लिए व्यापक कवरेज वाले टीके उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

बीएमएस प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय श्रम मंत्री से मुलाकात कर सौंपा विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन

नई दिल्ली। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया से नई दिल्ली में मुलाकात की और श्रम संहिताओं को तत्काल लागू करने तथा भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) को जल्द से जल्द आयोजित करने की मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा। बीएमएस महासचिव रवींद्र हिमटे के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने वेतन संहिता और सामाजिक सुरक्षा संहिता का समर्थन करते हुए कहा कि ये संहिताएं मजदूर हित में हैं और इन्हें ऐतिहासिक व क्रांतिकारी कदम माना जाना चाहिए। साथ ही बीएमएस ने औद्योगिक संबंध संहिता और ओएसएच एंड डब्ल्यूसी संहिता में मौजूद कुछ मजदूर-विरोधी प्रावधानों पर कड़ा विरोध जताया। मंत्री मंडाविया ने प्रतिनिधिमंडल की चिंताओं पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए भरोसा दिया कि केंद्र सरकार उनकी सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी। बीएमएस के आयोजन सचिव बी. सुरेन्द्रन, सचिव गिरीश आर्य, रामनाथ गणेश और उत्तर क्षेत्र आयोजन सचिव पवन कुमार ने श्रम मंत्री से 2016 से लंबित भारतीय श्रम सम्मेलन को अविलंब बुलाने का आग्रह किया। यह मांग सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही है। बीएमएस की ओर से मांगी गई प्रमुख मांगों में ईपीएफ की अधिकतम सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने, ईएसआई सीमा 21,000 रुपये से बढ़ाकर 42,000 रुपये करने और बोनस की गणना 7,000 रुपये से बढ़ाकर 14,000 रुपये करना शामिल है। इसके अलावा न्यूनतम पेंशन 1,000 रुपये से बढ़ाकर 7,500 रुपये करने तथा इसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक तथा आयुष्मान भारत से जोड़ने जाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, मध्यान्ह भोजन कर्मी और अन्य योजना-आधारित श्रमिकों के मानदेय में वृद्धि की भी मांग की। बीएमएस ने केंद्र सरकार से बीड़ी, बागान, निर्माण, हथकरघा, कृषि और मत्स्य पालन जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की अपील की।इसके अलावा, केंद्र सरकार और सीपीएसयू में वर्षों से काम कर रहे ठेका कर्मचारियों को नियमित करने की भी मांग उठाई गई।

जुबिन नौटियाल महाकाल की भस्मारती में शामिल हुए

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में शुक्रवार को प्रातः देश के सुप्रसिद्ध गायक जुबिन नौटियाल ने भस्म आरती में उपस्थित होकर महाकाल भगवान के दर्शन किए। पवित्र भस्म आरती का दिव्य वातावरण और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कर नौटियाल भाव-विभोर दिखे। दर्शन उपरांत मंदिर परिसर में उनका स्वागत एवं सम्मान मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने किया । समिति ने उन्हें शॉल, प्रसाद और स्मृति चिह्न भेंट कर महाकाल बाबा की परंपरागत आतिथ्य परंपरा के अनुरूप सम्मानित किया। इस अवसर पर जुबिन नौटियाल ने महाकाल मंदिर की व्यवस्था, अनुशासन, सुरक्षा और भव्यता की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर की दिव्यता और धार्मिक

गरिमा अद्भुत है। साथ ही उन्होंने सभी देशवासियों के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वे महाकाल बाबा से देश की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।

युवा रचना शक्ति दुनिया को सुनाएगी भारत की अनकही कहानियां

पणजी। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भाग ले रहे लगभग 130 युवा लघु फिल्म निर्माताओं को रचनात्मक और उद्देश्यपूर्ण सिनेमा के भविष्य की आशा मान कर प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा रहा है।

फिल्म महोत्सव के दूसरे दिन की शुरुआत पणजी की कला अकादमी में सीएमओटी यानी क्रिएटिव माइन्ड्स आफ टुमॉरो, सत्र में केन्द्रीय राज्य मंत्री सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य एल मुरुगन, सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के प्रबंध निदेशक और शॉर्ट्स टीवी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्टर पिल्चर मौजूद थे। देशभर से आए शार्ट फिल्म बनाने वाले 130 युवाओं की पांच टीमें मौजूद थीं।

सत्र का उद्घाटन करते हुए श्री मुरुगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी के विज़न के अनुरूप जब युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की पहल शुरू हुई तो बहुत कम लोग आगे आए थे। आज युवाओं की एक हजार से ज्यादा प्रविष्टियां आयीं हैं और 125 रचनाओं को चुना गया है। उन्होंने कहा कि ये नये रचनाकार भारत के भविष्य के सिनेमा की बुनियाद बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। ये युवा फिल्मकार भारत को सिने जगत में अग्रणी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत इतिहास से ही कथाओं कहानियों का देश रहा है। यहां लाखों कहानियां बिखरीं पड़ीं हैं। अभी तक कुछ सौ कहानियां ही कही गईं हैं। अनकही कहानियां ये युवा फिल्मकार कहें तो भारतीय सिनेमा कहां से कहां पहुंच जाएगा। शॉर्ट्स टीवी के सीईओ कार्टर पिल्चर ने कहा कि लोगों के बीच ये लघु फिल्में जिस कदर लोकप्रिय हो रही हैं, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि शॉर्ट्स ही भविष्य का सिनेमा है। ऐसे में युवा फिल्मकार बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने युवा फिल्मकारों की पांच टीमों को 48 घंटे में एक फिल्म बनाने का चैलेंज दिया जिसमें विजेता को पुरस्कृत किया जाएगा। बाद में मंत्री ने क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो के साथ एक सामूहिक तस्वीर भी खिंचवाई। इसके बाद शुरुआत एक मास्टर क्लास के साथ हुई जिसे उनकी कल्पना शक्ति और रचनात्मक प्रवृत्ति को तेज करने के लिए डिज़ाइन किया गया था जिसमें उन्हें आगामी 48-घंटे की फिल्म चैलेंज के लिए तैयार किया गया। बाद में, टीमें अपने रेकी के लिए रवाना हुईं। उन्होंने स्थानों का पता लगाया, अपनी संभावनाओं को तैयार किया और उन कहानियों को आकार देना शुरू कर दिया जिसे उलटी गिनती शुरू होने के बाद जीवंत करने को तत्पर थे।

भारत को अमेरिका से मिला हवा में ही ईंधन भरने वाला बोइंग केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर

फ्लाइट रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट से आधुनिक युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना को आसानी होगी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना को अमेरिका से लीज पर लिया गया हवा में ही ईंधन भरने वाला विमान बोइंग केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर मिला गया है। यह विमान शुक्रवार सुबह आगरा के वायु सेना स्टेशन पर उतरा है। यह पूरी तरह से वेट लीज पर लिया गया विमान है, जिसका मतलब है कि एयरक्राफ्ट को अमेरिकी फर्म मेट्रिया मैनेजमेंट के पायलट और क्रू उड़ाएंगे, चलाएंगे और रखरखाव करेंगे। यह टैंकर विमान मिलने से आधुनिक युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना को हवा में ही ईंधन भरने में आसानी होगी।

भारत के रिफ्यूलर फ्लीट में अभी छह रूसी इल्यूशिन-78 टैंकर हैं, जिन्हें पहली बार साल 2003 में शामिल किया गया था। पुराने पड़ते इन टैंकरों की मरम्मत और रखरखाव में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन विमानों की दृश्यता भी काफी कम है, जिससे लंबी दूरी के मिशन या बिना लैंड और रिफ्यूल किए ज्यादा उड़ान भरने में दिक्कत थी। वायु सेना साल 2007 से छह मिड-एयर रिफ्यूलर लेने की कोशिश कर

रही है लेकिन राजनयिक देरी और आर्थिक दिक्कतों की वजह से उसे कामयाबी नहीं मिली। इसलिए कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना और नौसेना के पायलट्स को एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग ट्रेनिंग देने के लिए अमेरिकी कंपनी मेट्रिया मैनेजमेंट के साथ समझौता किया था।

फ्लाइट रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट (एफआरए) के लिए किये गए अनुबंध के आधार पर वेट लीज पर लिया गया केसी-135 आज आगरा में उतरा। इस एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल भारतीय नौसेना भी करेगी। यह विमान 60 साल से अमेरिकी वायु सेना की ऑपरेशनल क्षमताओं का हिस्सा रहा है। इसमें रिफ्यूलिंग के लिए फ़्लाइंग बूम सिस्टम लगा है और इसमें मल्टीपाइंट रिफ्यूलिंग सिस्टम भी लगाया जा सकता है, जिससे एक साथ दो विमानों को हवा में ईंधन दिया जा सकता है। यह पूरी तरह से वेट लीज पर लिया गया विमान है, जिसका मतलब है कि एयरक्राफ्ट को अमेरिकी फर्म मेट्रिया मैनेजमेंट के पायलट और क्रू उड़ाएंगे, चलाएंगे और रखरखाव करेंगे।

भारत ने अपने मौजूदा सोवियत रूसी चार-इंजन वाले टैंकर इल्यूशिन आईएल-78 टैंकरों के सामने आने वाली बड़ी ऑपरेशनल चुनौतियों को दूर करने के लिए केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर को लीज पर लिया है, जिससे आधुनिक युद्ध के दौरान वायु सेना को हवा में ही ईंधन भरने में आसानी होगी।भारतीय रक्षा बलों को ऑपरेशनल तैयारी और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ तनाव बढ़ने के बाद आईएल-78 टैंकरों में लगातार रखरखाव और मरम्मत की दिक्कतें हुईं। अब लीज पर लिए गए विमान की तत्काल ऑपरेशनल तैनाती की जा सकती है।

भाजपा ने चिली की नेता को इंदिरा पुरस्कार दिए जाने पर उठाए सवाल, कहा- कांग्रेस के डीएनए में राष्ट्र विरोध

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने चिली की नेता मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी पुरस्कार दिए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के डीएनए में भारत विरोध है। उन्होंने कहा कि सबसे पुराना राजनीतिक दल कांग्रेस एक माओवादी संगठन की तरह काम करने लगा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि एक अवॉर्ड सेरेमनी में 'इंदिरा गांधी प्राइज़ फॉर पीस, डिसआर्मामेंट एंड डेवलपमेंट 2024' सोनिया गांधी की मौजूदगी में चिली की पूर्व प्रेसिडेंट मिशेल बैचलेट को दिया गया। भाटिया ने मिशेल की पृष्टभूमि पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि वे चिली की पहली महिला राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की पूर्व प्रमुख रहीं। इस दौरान उन्होंने भारत की संप्रभुता पर कई बार हमला किया। उन्होंने आर्टिकल 370 में बदलाव और कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन की बात कही। ह्यूमन

राइट्स काउंसिल के 42वें सेशन में उन्होंने सवाल उठाया कि कश्मीर में मानवाधिकार का उल्लंघन हो रहा है। अनुच्छेद 370 हटाया नहीं जाना चाहिए। मिशेल भारतीय नागरिक भी नहीं हैं, फिर भी उन्होंने सीएए पर याचिका दायर कर दावा किया कि इससे मानवाधिकारों को ठेस पहुंचेगी। क्या यह सोनिया और राहुल के इशारे पर किया गया? भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस को मुस्लिम-माओवादी कांग्रेस कहा था।

मुख्यमंत्री ने इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ चीफ जस्टिसेस ऑफ वर्ल्ड के उद्घाटन समारोह में दिया बड़ा संदेश

दुनिया के समक्ष रखे गए सभी लक्ष्यों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण: सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज वसुधैव कुटुम्बकम् यानी 'होल वर्ल्ड इज वन फैमिली, हैज बीन बेसिक फिलॉसफी ऑफ इंडिया फॉर थाउजैंड्स ऑफ ईयर्स' की भावना से विश्व को अवगत कराते हुए इसे भारत की हजारों वर्षों की परंपरा करार दिया। उन्होंने कहा कि संकट के समय शरण देने और आगे बढ़ाने में भारत ने हमेशा योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सिटी मॉन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित 26वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ चीफ जस्टिसेस ऑफ वर्ल्ड (आईसीसीजेडब्ल्यू) के उद्घाटन समारोह में अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें यूएन की उस घोषणा को भी स्मरण करना होगा, जिसमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के बारे में दुनिया के देशों से आह्वान किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा दुनिया के न्यायाधीशों के माध्यम से यह मानवता और उन लोगों के लिए भी एक उद्घोषणा है कि जिन्होंने अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए

अराजकता का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया के अंदर शिक्षा की बात करते हैं तो 250 करोड़ से अधिक बच्चों के लिए क्वॉलिटी एजुकेशन पर फोकस करते हैं। हमें विचार करना होगा कि बस्ते के बोझ से बच्चे डिप्रेस्ड न हों। यह बेसिक भाव एजुकेशन के माध्यम से हम प्रत्येक छात्र-छात्राओं के मन में पैदा कर सकते हैं, लेकिन आज भी यह चुनौती बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा दुनिया में जहां अशांति व अराजकता है, वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर एजुकेशन, हेल्थ तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट की बात बेमानी सी दिखती है। उन स्थितियों में हम सभी को इस बारे में विचार करना चाहिए कि कैसे इन समस्याओं के समाधान के लिए हर एक स्तर पर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर एक संस्था अपने स्तर पर पिछले 25 वर्षों से इस प्रयास को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है, तो क्यों नहीं अन्य स्तर पर यह प्रयास आगे बढ़ाया जा सकता है? सीएम योगी ने प्रदेश की राजधानी में अतिथियों का स्वागत किया।

सीएम योगी ने कहा हमारे सामने इमर्जिंग टेक्नोलॉजी जीवन को सहज और सरल करने में जहां उपयोगी भूमिका का निर्वहन कर रही है, वहीं इसके द्वारा उत्पन्न अभूतपूर्व कानूनी चुनौतियां भी हम सभी के सामने खड़ी हुई हैं, जिसमें साइबर क्राइम, डेटा चोरी और अन्य समस्याएं प्रमुख हैं। ऐसे अस्थिर समय में न्याय, नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में सीएमएस परिसर में बच्चों ने बैंड धुन के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी ने छात्र-छात्राओं से इंटरैक्ट कर उन्हें आशीर्वाद भी दिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की शुरुआत गोमती नगर एक्सटेंशन ब्रांच के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति से की। साथ ही वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में सीएमएस की निदेशक तथा आईसीसीजेडब्ल्यू की कन्वीनर प्रो. सुनीता गांधी किंगडम ने जोर दिया कि भारत की वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना में ही विश्व का कल्याण निहित है। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने मार्टिन लूथर किंग, व्हिना कूपर, नेल्सन मंडेला तथा मदर टेरेसा जैसी कई महान विभूतियों की ओर से विश्व के कल्याण की कामना की।

कार्यक्रम में सीएमएस की संस्थापक निदेशक डॉ. भारती गांधी, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के अध्यक्ष डॉ. रोजर किंगडम, भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तथा विभिन्न देशों से आए मुख्य, उप मुख्य न्यायाधीश समेत डेलिगेट्स उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बाराबंकी के विधायक के भाई की मौत, दो अन्य घायल

इटावा/बाराबंकी। इटावा जिले के ऊसराहार थाना क्षेत्र में बाराबंकी जिले के विधायक दिनेश रावत के भाई मिथलेश रावत की शुक्रवार को एक सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस और विधायक के करीबियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार तड़के तेज गति से गुजर रहे एक अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार मिथलेश रावत की मौत हो गई। विधायक के सहयोगी और बाराबंकी जिले के एक प्रखंड के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनील सिंह ने बताया कि मिथिलेश रावत (28) अपने सहयोगियों के साथ बाराबंकी आ रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि किलोमीटर संख्या 128 और 129 के मध्य हुई यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और रावत ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार सुबह तड़के साढ़े पांच बजे लखनऊ की ओर जा रही हुंडई कार से आगे निकलने के प्रयास के तहत अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार की खिड़की खुल गई और वह डिवाइडर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि कार में सवार मिथलेश रावत बाहर सड़क पर जा गिरे तथा दो अन्य हाफिज अहमद एवं दिलीप पटेल घायल हो गये। घायलों को यूपीडा कर्मियों ने सैफई स्थित ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती कराया। अस्पताल के डॉक्टर ने बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दिनेश रावत के 28 वर्षीय भाई मिथलेश रावत को मृत घोषित कर दिया। ऊसराहार थाना के प्रभारी (निरीक्षक) बलराज सिंह भाटी ने बताया कि राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम सुस्त दो लापरवाह कर्मचारी निलंबित

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कार्य में धीमी प्रगति पर गंभीर नाराज़गी व्यक्त करते हुए दो लापरवाह कर्मचारी निलंबित का दिए । जूम मीटिंग में उन्होंने सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने बीएलओ को प्रतिदिन शाम 4 बजे निर्धारित कार्यस्थल पर उपस्थित कराएं तथा उनके कार्य की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कार्य में उदासीनता बरतने पर बूथ संख्या 183 जैतपुर फफूंद के नलकूप चालक चंद्रपाल तथा बूथ संख्या 57 टीकमपुर की सहायक अध्यापिका सुधा वर्मा के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई के आदेश जारी किए गए। साथ ही विभागों को आईजीआरएस व सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का प्रतिशत 70 से अधिक करने के निर्देश भी दिए।

शादी के छह माह बाद नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

मुरादाबाद। बिलारी कोतवाली क्षेत्र स्थित मोहम्मद सादिकपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक नवविवाहिता का शव फांसी पर लटका मिला। छह माह पहले ही वो शादी करके अपने ससुराल आई थी। पुलिस अधीक्षक (देहात) कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि परिजनों ने बताया कि अमरोहा के सैदनगली थाना क्षेत्र के खरसौली मिलक गांव निवासी ममता (28) की शादी छह माह पहले बिलारी के मोहम्मद सादिकपुर गांव निवासी हरि सिंह के बेटे राजू सिंह के साथ हुई थी। राजू सिंह हरियाणा राज्य के भिवानी शहर में हलवाई का काम करता है। शुक्रवार सुबह छह बजे ममता के ससुर हरि सिंह और सास लक्ष्मी खेत पर काम करने चले गए। 10 बजे जब दोनों घर लौटे तो देखा कि बहू ममता का शव फांसी के फंदे से लटक रहा है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसपी देहात ने बताया कि मामले में शुरुआती जांच में यह पता चल रहा है कि नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दी है। मायके पक्ष से अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। अगर कोई तहरीर मिलती है तो आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

मिडडे मील पकाते समय विद्यालय में लगी आग, घंटे भर रही अफरातफरी

फर्रुखाबाद। जिले के थाना कमाल गंज थाना क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय गौसपुर में मिड डे मील बनाते समय शुक्रवार को आग लग गई। घटना से बच्चों में भगदड़ मच गई। विद्यालय में रसोइया बच्चों के लिए मिडडे मील बना रही थी। उसी समय लीकेज गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग लगने से रसोइया बाल बाल बच गई और तेज लपटें देख कर बच्चे भी स्कूल से भागने लगे। घटना की सूचना प्रधानाध्यापक ने थाना कमालगंज को दी। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने भीगी बोरियों ओर अग्नि शमन यंत्र से आग बुझाई। कोई खास नुकसान नहीं हुआ। थानाध्यक्ष ने बताया कि यदि सिलेंडर फट जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने कहा कि इस आग से धन व जन हानि नहीं हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंच स्थिति पर काबू पा लिया।

नाबालिग किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म के दोषी को 25 वर्ष कारावास की सजा

बलिया। जिले की एक विशेष अदालत ने 12 वर्षीया किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने के ढाई वर्ष पुराने मामले में आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष कारावास की सजा सुनाई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसपी ओमवीर सिंह ने बताया कि विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) प्रथम कांत की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आरोपी बरेली के निवासी शिवा मौर्या को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष के कारावास और 35 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार पकड़ी थाना क्षेत्र के गांव की निवासी 12 वर्षीय किशोरी 23 मार्च 2023 को खेजुरी के सरकारी अस्पताल से दवा लेने गई थी, तभी मौर्या ने उसे अगवा कर दुष्कर्म किया। इस मामले में किशोरी के चाचा की तहरीर पर मौर्या के विरुद्ध दुष्कर्म व अपहरण से संबंधित धाराओं और पॉक्सो अधिनियम में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। अदालत ने सुनवाई पूरी कर सजा सुनाई।

दूसरे धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जिले की सदर बाजार पुलिस ने एक व्यक्ति को कथित रूप से दूसरे धर्म के विरुद्ध सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाना सदर बाजार क्षेत्र निवासी केके दीक्षित नामक व्यक्ति ने बृहस्पतिवार रात को कथित रूप से दूसरे संप्रदाय के लिए आपत्तिजनक पोस्ट की थी। उन्होंने कहा, ''इस पोस्ट को हमारी सोशल मीडिया टीम ने देखा और पोस्ट हटाने के बाद तत्काल ही आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी पर इससे पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं।'' हालांकि पुलिस अधीक्षक का यह भी कहना है कि आरोपी को जब हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसका फेसबुक खाता किसी ने हैक कर यह पोस्ट डाल दी है। पुलिस इस दावे की पड़ताल कर रही है। इसी आरोपी ने 12 सितंबर को कथित तौर पर एक आपत्तिजनक पोस्ट की थी, जिसके बाद शहर के एक संप्रदाय के लोग सड़कों पर उतर आये थे और प्रशासन सक्रिय हो गया था। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आरोपी दीक्षित के विरुद्ध मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी ने कहा कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

अधिवक्ताओं पर हमले से बार एसोसिएशन में उबाल, डीआईजी ऑफिस का घेराव कर वकीलों ने जताया आक्रोश

बरेली। कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं पर हुए हमले को लेकर शुक्रवार को वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस की कथित लापरवाही और आरोपियों पर हल्की कार्रवाई किए जाने से नाराज़ सैकड़ों अधिवक्ता सुबह से ही डीआईजी ऑफिस पहुंच गए और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान वकीलों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद आरोपितों को 151 सीआरपीसी में चालान भेज दिया गया, जो न्याय के साथ खिलवाड़ है। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं ने डीआईजी अजय कुमार साहनी से मुलाकात कर विवेचना ट्रांसफर किए जाने की मांग की। डीआईजी ने आश्वासन दिया कि विवेचना निष्पक्ष अधिकारी को सौंपी जा रही है। आश्वासन मिलने के बाद अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन समाप्त किया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो वे दोबारा सड़कों पर उतरेंगे। बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि 18 नवंबर को पार्किंग में अधिवक्ता शकील हुसैन

और उनके साथी बाबूराम पर आशीष सिंह व उसके साथियों ने लोहे की रॉड से हमला किया था। जातिसूचक गालियां भी दी गईं। पुलिस ने धारा 307 व एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज तो किया, लेकिन आगे की कार्रवाई बेहद कमजोर रही। इसी से वकील नाराज हैं। हालांकि घटना के मूल विवाद में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अधिवक्ता शकील का आरोप है कि आशीष ने गाड़ी में टक्कर मारकर हमला किया, जबकि दूसरी ओर आशीष का कहना है कि उसके दोस्त से गलती से बाइक का इंडिकेटर टूट गया था और माफी भी मांग ली थी, लेकिन अधिवक्ताओं ने मारपीट कर बाइक की चाबी छीन ली। कोतवाल सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीरों पर अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच की जा रही है। घटना के बाद कचहरी परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ है। शुक्रवार को मनोज कुमार हरित, दीपक पांडे, रोहित यादव, नसीम सैफी, सोमेंद्र यादव, हेमंत यादव, अमरदीप सक्सेना, मोबिन अंसारी, विजय श्रीवास्तव, अभिनव, विपिन शर्मा, विशाल यादव, नागेंद्र गंगवार, मोहम्मद काशिफ, चमन आरा व अब्दुल इमरान सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता डीआईजी ऑफिस पहुंचे और प्रदर्शन किया।

छात्र की हत्या के आरोप में प्रधानाचार्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। 'इंडियन पब्लिक स्कूल' के प्रधानाचार्य और प्रबंधक के खिलाफ एक छात्र की हत्या के आरोप में शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार भोला का पुरवा निवासी अमर सिंह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मुंडेरा स्थित स्कूल के प्रधानाचार्य ने पुरानी नाराजगी में बृहस्पतिवार को उनके बेटे शिवम (14) को पीटा, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। 10वीं कक्षा के छात्र शिवम की स्थिति बिगड़ने पर परिजनों को सूचना दिए उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां छात्र को मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्र के पिता ने कहा कि पहले भी प्रधानाचार्य द्वारा शिवम को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया था। उन्होंने बताया कि छात्र के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं। पुलिस उपायुक्त मनीष शांडिल्य ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आनी बाकी है। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर स्कूल के प्रधानाचार्य और प्रबंधक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

वाराणसी में दाल मंडी चौड़ीकरण अभियान पर तत्काल रोक लगाये सरकार: अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वाराणसी के ऐतिहासिक दालमंडी क्षेत्र की तोड़-फोड़ को भाजपा द्वारा विरोधियों को कमजोर करने का एक राजनीतिक विध्वंस करार देते हुए शुक्रवार को मांग की कि इस कार्रवाई को तत्काल रोका जाए। लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में यादव ने चंदौली और वाराणसी के पार्टी नेताओं तथा दालमंडी के व्यापारियों की मौजूदगी में कहा कि सरकार का विरासत संवर्धन का दावा "भ्रामक" है और चौड़ीकरण अभियान का उद्देश्य उस बाजार को निशाना बनाना है जो भाजपा को वोट नहीं देता।

यादव ने आरोप लगाया कि यह कोई विरासत योजना नहीं है... यह एक राजनीतिक विध्वंस है। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे उस क्षेत्र से नहीं जीत सकते। वे लोगों को डराना चाहते हैं, समुदायों को बांटना चाहते हैं और व्यापारियों को चुप कराने के लिए राज्य की शक्ति का इस्तेमाल करना चाहते हैं।" उन्होंने कहा कि कई व्यापारी पीढ़ियों से छोटी-छोटी दुकानें संचालित कर रहे हैं और अब उन्हें अपनी आजीविका पूरी तरह से छिन जाने का डर है।

यादव ने बताया कि दाल मंडी में कई व्यवसाय दशकों पुराने हैं, कुछ तो उन संस्थाओं से भी पुराने हैं जो अब भवन मानचित्र स्वीकृत करती हैं। यादव ने कहा कि दुनियाभर के प्रमुख पर्यटन शहरों की तरह सांस्कृतिक बाजारों को संरक्षित करने के बजाय उत्तर प्रदेश सरकार उन्हें नष्ट कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कई देशों में संकरी हेरिटेज गलियों को भी संरक्षित किया जाता है, ध्वस्त नहीं किया जाता। यहां व्यापारियों को उनके ग्राहकों या आजीविका की सुरक्षा के लिए कोई विकल्प दिए बिना ही उजाड़ा जा रहा है।" उन्होंने दुकानदारों को लोहता या मोहनसराय जैसे इलाकों में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा कि इन जगहों पर लोगों की आवाजाही बहुत कम है।

कछुओं के संरक्षण के लिए बड़ा फैसला यमुना नदी के किनारे बनेगी हेचरी

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने आज मानस सभागार में जिला गंगा समिति, जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की संयुक्त बैठक में जनपद में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की । बैठक में नदी किनारे रहने वाले किसानों को कछुओं के संरक्षण के प्रति जागरूक करने, खेती के दौरान पाए जाने वाले कछुओं के अंडों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनकी सूचना वन विभाग को देने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि कछुओं की संख्या बढ़ाने और उन्हें संरक्षित करने के लिए यमुना नदी के किनारे हेचरी बनाई जाएगी।

इसके लिए डब्ल्यू डब्ल्यू एफ इंडिया के प्रतिनिधियों को अनुमति प्रदान की गई। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी सी.पी. सिंह ने शासन से प्राप्त वृक्षारोपण लक्ष्य और संबंधित कार्ययोजना की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने आगामी वृक्षारोपण कार्यक्रम को महोत्सव की तरह आयोजित करने, जगह का चिन्हांकन करने और समय से कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। पर्यावरण समिति के समक्ष जिलाधिकारी ने प्लास्टिक जब्त की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, जिला कृषि अधिकारी शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप कुमार, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे और जेआरएफ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस पहल से यमुना नदी में कछुओं का संरक्षण होगा और पर्यावरण संरक्षण में जनपद का योगदान बढ़ेगा।

अगले साल शुरू हो सकती है बांके बिहारी मंदिर से दर्शन की 'लाइव स्ट्रीमिंग'

मथुरा। वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर से दर्शन की 'लाइव स्ट्रीमिंग' (घर बैठे ऑनलाइन दर्शन) की व्यवस्था अगले साल शुरू हो सकती है। मंदिर के मामलों की देखरेख करने वाली उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने यह बात कही। समिति ने बृहस्पतिवार शाम को मंदिर के आसपास सुधारों और विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में एक बैंक की मदद से नवंबर से मंदिर की गुल्लक खोलने के लिए एक नए तरीके को मंजूरी दी। समिति ने रोज़ाना के रखरखाव को बेहतर बनाने के लिए प्रेशर मशीन, वैक्यूम क्लीनर और फ्लोर-क्लीनिंग मशीन समेत सफाई के सामान की खरीद को भी मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में, समिति ने 15 बिंदुओं पर चर्चा की और 11 पर सहमति बनी। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा कि 'लाइव स्ट्रीमिंग' के लिए एक फर्म को चुना गया था और यह सेवा अगले साल होली के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। समिति ने मंदिर के द्वार संख्या- एक, दो और तीन के पास से अतिक्रमण हटाने पर भी चर्चा की तथा भक्तों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिहाज से आस-पास की संपत्ति के अधिग्रहण के संबंध में दिशानिर्देशों की समीक्षा की।

मायानगर आवासीय सोसायटी घोटाला : विशेष जांच दल सोसायटी के रिकॉर्ड जब्त करने में जुटा

▶▶ एसआईटी की जांच के बाद होगा अरबों की जमीनों की बंदरबांट का खुलासा

मुरादाबाद। मुरादाबाद के चर्चित अरबों रुपये के भूमि घोटाले के मामले में मायानगर आवासीय सोसायटी की जमीनों की ऑडिट के बीच विशेष जांच दल (एसआईटी) सोसायटी के रिकॉर्ड जब्त करने में जुट गया है। जांच के बाद ही पता चलेगा कि किस प्रकार मायानगर आवासीय सोसायटी से जुड़े लोगों ने अरबों की जमीनों की बंदरबांट की है। अपर जिला अधिकारी प्रशासन संगीता गौतम ने बताया कि साक्ष्य जुटाने के बाद आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

डीएम की तरफ से गठित एसआईटी अपर जिला अधिकारी प्रशासन संगीता गौतम की देखरेख में अभी मायानगर आवासीय सोसायटी की जमीनों की ऑडिट कर रही है। इस कार्य में लगे लेखपालों को भी जमीन का मालिकाना हक ढूंढने में मशक्कत का सामना करना पड़ रहा है। समीक्षा बैठक के बाद पता चलेगा कि मायानगर आवासीय सोसायटी की कितनी जमीनों की ऑडिट की गई है और कितने लोगों के मालिकाना हक बदल गए हैं। आरोप है कि समिति के सदस्यों को बदलकर जमीन की हेराफेरी की है। पैसा जमा करने बावजूद 85 से अधिक असली आवंटियों को जमीनें नहीं मिली है। अभी एडीएम ने एसआईटी की बैठक नहीं ली है।

समिति की जमीन और फ्लैट की बिक्री पर एक माह पहले एआईजी स्टाम्प ने रोक लगा दी थी। एआईजी निबंधन (स्टाम्प एवं पंजीयन) को लिखे गए पत्र में अपर आवास आयुक्त ने बताया था कि मायानगर आवासीय सोसायटी के भूखंडों और फ्लैट सहित अन्य संपत्तियों की फर्जी अभिलेखों के आधार पर खरीद-बिक्री की गई है। भूमि के वास्तविक स्वरूप को बदलकर अवैध ढंग से फैक्टरियां संचालित करा दी गईं।

कुल्हाड़ी से चचेरी बहन की हत्या करने वाले आरोपित भाई को पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार

इटावा। जनपद में थाना इकदिल पुलिस और क्राइम ब्रांच टीम संयुक्त रूप से मुठभेड़ कर चचेरी बहन की कुल्हाड़ी से हत्या करने के आरोपित भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के पास से एक तमंचा एक खोखा दो जिंदा कारतूस और हत्या की वारदात में इस्तेमाल कुल्हाड़ी बरामद की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बीते गुरुवार देर शाम थाना इकदिल क्षेत्र के मुरेथा गांव में रसोई में खाना बनाते समय चचेरी बहन की उसके भाई ने कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी थी हत्या की वारदात को अंजाम देकर आरोपित युवक फरार हो गया था सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर आरोपित की तलाश शुरू कर दी थी। इसी क्रम में थाना इकदिल पुलिस और क्राइम ब्रांच टीम संयुक्त रूप से बरेला मोड़ के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या की घटना कारित करने वाला आरोपी

युवक नगला हरनारायण की और से आ रहा है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पुलिस टीम को अपनी ओर आता देख आरोपित युवक ने जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर कर दिया, जिस पर पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की गई तो एक गोली आरोपित रीलू उर्फ पोलार्ड के बाएं पैर में लगी जिसे घायल अवस्था में बरेला मार्ग काली माता मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया है।

सोनभद्र खनन हादसे की जांच कर रही एसआईटी ने 4 लोगों को किया गिरफ्तार

सोनभद्र। ओबरा थाना क्षेत्र में 15 नवंबर को पहाड़ी धसकने से हुए खनन हादसा और सात मजदूरों के शव मिलने के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को एसआईटी ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया की 15 नवंबर को बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में कृष्णा माइनिंग वर्क्स के पत्थर खदान में ड्रिलिंग के दौरान पहाड़ी का बड़ा हिस्सा ढह गया था। इसके नीचे दबकर 7 मजदूरों की जान गई थी। इस संबंध में थाना ओबरा पर मुकदमा दर्ज किया गया।

मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया। अब कार्रवाई भी शुरू कर दी गई हैं। एसपी ने बताया कि जांच के बाद एसआईटी ने पत्थर खदान में के कार्यरत माइन्स मैनेजर अनिल कुमार झा, माइन्स स्टाफ अजय कुमार, गौरव सिंह और माइन्स मेठ चन्द्रशेखर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी ने बताया की माइन्स मैनेजर

फाइल फोटो

की नियुक्ति खान सुरक्षा निदेशक लखनऊ से किया जाता है। माइन्स मैनेजर खनन क्षेत्र के खनन कार्य, सुरक्षा व जोखिम की पुरी रिपोर्ट खान सुरक्षा निदेशक को भेजते हैं। इन्होंने खदान में ड्रिलिंग एवं विस्फोटक मानकों में हो रही अनियमितताओं की जानकारी खान सुरक्षा निदेशक लखनऊ को नहीं दिया गया। एसपी ने बताया की मजदूरों के नीचे खदान में कार्य से मना करने के बावजूद खदान मालिक व ठेकेदारों के दबाव में उन्हें काम करने के लिए कहा गया। माइन्स मैनेजर एवं मेट ने इस गंभीर जोखिम की जानकारी न तो अपने उच्चाधिकारियों को दी और न ही कार्य को रोकने का प्रयास किया। एसआईटी जांच में यह भी पाया गया कि मानक से अधिक ड्रिलिंग किए जाने के कारण खदान की संरचना कमजोर हो गई, जिसके परिणामस्वरूप पत्थर का विशाल हिस्सा अचानक ढह गया और उसके नीचे दबकर 07 मजदूरों की मृत्यु हो गई। जनपद पुलिस द्वारा इस प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

अंतिम टेस्ट: स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रंखला में बराबरी करने उतरेगा भारत

गुवाहाटी। पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रृंखला बराबर करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत के लिए नेतृत्व की चुनौती बेहद चुनौतीपूर्ण होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए तो और भी कठिन परीक्षा आने वाली है, जिनके अक्सर उलझाने वाले फैसलों ने ड्रेसिंग रूम और थिंक टैंक को स्पष्टता के लिए जूझने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अजेय रहने की जो चमक रही है, वह वर्तमान टीम के सामने गायब हो गई है। यह पिछले कुछ वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम घरेलू मैदान पर जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगी। उसकी टीम कमजोर नजर आ रही है और क्रिकेट विशेषज्ञों के अनुसार यह अच्छी स्थिति नहीं है। अगर न्यूजीलैंड की स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और मिशेल सैंटनर ने 2024 में भारत के घरेलू धरती पर अजेय रहने की धारणा को तार-तार कर दिया था तो साइमन हार्मर और उनके अन्य साथी युवा भारतीय टीम को और भी कमज़ोर बना रहे हैं। स्पिनरों से निपटने की उचित तकनीक का अभाव स्पष्ट तौर पर नजर आ रहा है। इसका भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसने स्थिति को और बदतर बना दिया है। इन मुश्किल हालात में गिल की अनुपस्थिति में पंत कप्तानी संभालेंगे। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी बल्लेबाजी भी उनके फैसलों की तरह ही महत्वपूर्ण होगी। गिल की जगह लेने के लिए साई सुदर्शन सबसे संभावित उम्मीदवार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है। जहां तक कप्तानी के अनुभव की बात है तो पंत ने कुछ साल पहले इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भारतीय टी-20 टीम का नेतृत्व किया था, जब रोहित शर्मा को आराम दिया गया था। जहां तक लाल गेंद की क्रिकेट में कप्तानी करने का सवाल है तो पंत ने 2017 में दिल्ली की टीम को रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था, जहां टीम को चैंपियन विदर्भ से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि विशेषज्ञों की अधिक दिलचस्पी कोलकाता में पहले टेस्ट मैच की दूसरी शाम और तीसरी सुबह लिए गए उनके फैसलों में होगी। पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने स्पिनरों की मदद से दक्षिण अफ्रीका के सात विकेट 93 रन पर गिरा दिए थे। पंत ने तीसरे दिन सुबह मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह से शुरू में गेंदबाजी नहीं करवाई जिसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा।

यही नहीं पंत को टीम चयन के मामले में अपने कोच को कुछ विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए राजी करना होगा। भारतीय टीम में बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं और अगर हालात अनुकूल रहे तो दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर फिर से अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं, बशर्ते बीसीसीआई के क्यूरेटर तापोश चटर्जी और आशीष भौमिक गुरुवार को ट्रैक पर दिखी घास को हटा दें। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया किसी भी स्थिति में नहीं चाहेंगे कि इस स्थल पर खेले जाने वाले पहले टेस्ट को गलत कारणों से याद किया जाए। इसलिए अक्षर पटेल या कुलदीप यादव में से कोई एक ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के लिए जगह बना सकता है, जिससे तीसरा तेज गेंदबाज होने से भारत को किसी भी नमी का फायदा उठाने में मदद मिल सकती है।

अगर उनकी गेंदबाज़ी की ज़रूरत न हो तब भी दाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण वह इस तरह के विकेट पर प्रभावी साबित हो सकते हैं। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसकी निगाह श्रृंखला में क्लीन स्वीप करके इतिहास रचने पर होगी। उसके खिलाड़ी इसके लिए किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे।

इस प्रकार है दोनों टीम

भारत: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका: तेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रविस, टोनी डी जोरज़ी, ज़ुबैर हमज़ा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

मैच सुबह नौ बजे शुरू होगा।

आयुष शेट्टी को हराकर लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में, सात्विक और चिराग बाहर

सिडनी। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को यहां हमवतन भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीय भारतीय पुरुष जोड़ी आगे बढ़ने में नाकाम रही।

सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने 53 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 21-11 से जीत हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा, जो इस प्रतियोगिता में दूसरी वरीयता प्राप्त हैं। विश्व में नौवें स्थान पर काबिज और 2018 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता चोउ ने एक घंटे 23 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया। अल्वी ने पिछले दौर में भारत के एचएस प्रणय को हराया था। पुरुष युगल में भारत को झटका लगा क्योंकि सात्विक और चिराग को इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 21-19, 21-15 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। सेन ने इस वर्ष के शुरू में हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी 20 वर्षीय शेट्टी को हराया था।

अल्मोड़ा का रहने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी लेकिन इस साल अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाया है। सेन को शुरुआती गेम में शेट्टी को हराने में कठिनाई हुई। वह एक समय 6-9 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने 9-10 से पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीते और 13-10 से बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन शेट्टी ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में कई बार बढ़त हासिल की, लेकिन आखिर में सेन ने 21-21 से बराबरी कर ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

अस्वस्थ शुभमन गिल को टीम से रिलीज किया गया, जांच के लिए मुंबई जाएंगे

गुवाहाटी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले शुक्रवार को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया। कोलकाता में पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में बल्लेबाजी करते समय गिल की गर्दन में अकड़न आ गई थी जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था।

शुभमन गिल की अनुपस्थिति में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में टीम की अगुवाई करेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल होने वाले भारतीय कप्तान शुभमन गिल गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे।'' बयान में कहा गया, ''गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन में चोट लग गई थी और दिन का खेल खत्म होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्हें निगरानी में रखा गया और अगले दिन छुट्टी दे दी गई। वह 19 नवंबर को गुवाहाटी पहुंचे थे।'' इसमें कहा गया है, ''दुर्भाग्य से वह दूसरा टेस्ट मैच खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं और उन्हें चोट की जांच के लिए मुंबई जाना होगा।'' गिल टीम के साथ गुवाहाटी आए थे लेकिन उनकी गर्दन का दर्द पूरी तरह से कम नहीं हुआ।

अब यह देखना बाकी है कि वह टेस्ट श्रृंखला के बाद एकदिवसीय श्रृंखला में खेल पाएंगे या नहीं। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने गुरुवार को कहा था, ''हम नहीं चाहते कि खेल के दौरान उनकी परेशानी बढ़ जाए।'' ईडन गार्डन्स में यादगार जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है।

भारत ने एएफसी अंडर 17 एशियाई कप के लिये टीम का किया ऐलान

अहमदाबाद। मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिज ने शुक्रवार को 2026 एएफसी अंडर 17 पुरूष एशियाई कप क्वालीफायर के लिये भारत की 23 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। भारत का सामना 22 नवंबर को फलस्तीन से, 26 नवंबर को चीनी ताइपै, 28 नवंबर को लेबनान और 30 नवंबर को ईरान से होगा। ग्रुप के विजेता को अगले साल सउदी अरब में होने वाले टूर्नामेंट में जगह मिलेगी जो कतर में होने वाले फीफा अंडर 17 विश्व कप का क्वालीफायर भी है।

इस प्रकार है भारत टीम

- **गोलकीपर** : मानसज्योति, मारूफ शफी, राजरूप सरकार
- **डिफेंडर** : अभिषेक, अंकुर राजबाग, इंद्र राणा मागर, कोरोउ एम, लाम सांग जुआला, मोहम्मद ऐमान बिन, शुभम पूनिया
- **मिडफील्डर** : डी गांगटे, डैनी सिंह, डायमंड सिंह, मुकुंदो सिंह, नितिश कुमार, टी टाउथांग
- **फॉरवर्ड** : आजिम परवेज नजर, अजलान शाह, जी वांगखेराकपम, एच सेरम, जसीर खान, लेसपिन रेबेलो, रेहान अहमद।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम घोषित, केमर रोच और केवेम हॉज की वापसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने दिसंबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए अपनी टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ केमर रोच और ऑलराउंडर केवेम हॉज की वापसी हुई है।

दोनों खिलाड़ियों ने आखिरी बार पाकिस्तान के मुल्तान में जनवरी में खेले गए टेस्ट में हिस्सा लिया था। टीम में रोच को शामिल किए जाने से अपेक्षाकृत अनुभवहीन तेज़ आक्रमण को मजबूती मिलेगी। इस आक्रमण में 29 वर्षीय ओजे शील्ड्स भी शामिल हैं, जिन्हें पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। हालांकि, तेज़ गेंदबाज़ शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ चोटों के कारण इस दौरे से बाहर हैं। बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि हॉज को पुनः मौका दिया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट माइल्स बासकॉम्ब ने कहा, "न्यूजीलैंड हमेशा से किसी भी टीम के लिए कठिन स्थान रहा है एंटीगा में हाल ही में आयोजित हाई-परफॉर्मेंस कैंप को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों, खासकर तेज़ गेंदबाज़ी मददगार पिचों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था।" रोच और शील्ड्स समेत कई खिलाड़ियों ने इस दो सप्ताह के कैंप में हिस्सा लिया और वे 20 नवंबर को न्यूजीलैंड में मौजूदा वनडे टीम के साथ जुड़ेंगे। टीम न्यूजीलैंड XI के खिलाफ क्राइस्टचर्च में दो दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा होगी।

वेस्टइंडीज अब तक खेले गए अपने सभी पांच टेस्ट मैच हारकर तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड इस चक्र का अपना पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम इस प्रकार है

रोस्टन चेज़ (कप्तान), जोमेल वॉरिकन, एलिक अथनाज़, जॉन कैंपबेल, तेग नारायण चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रेव्स, केवेम हॉज, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रैंडन किंग, जोहान लेन

नवाचार को बढ़ावा देने के लिए इजराइली स्टार्टअप के साथ सहयोग पर विचार कर रहा भारत: गोयल

तेल अवीव। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और इजराइली स्टार्टअप साइबर सुरक्षा और चिकित्सकीय उपकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग कर नवाचार परिवेश को बढ़ावा दे सकते हैं। गोयल ने बताया कि दोनों देशों के प्रस्तावित व्यापार समझौते का एक मुख्य केंद्र प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग होगा।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयलने कहा कि हम इजराइल के साथ सहयोग करके अपने स्टार्टअप को प्रोत्साहित कर सकते हैं, जिसे हम भारत की विशाल अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और उच्च गुणवत्ता वाले नवाचार के स्तर तक प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर ले जाने की आकांक्षा रखते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने तेल अवीव में अपने इजराइल के अर्थव्यवस्था मामलों और उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता करने आए हैं। गोयल 60 सदस्यों वाले व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹हम इजराइल के साथ गहन सहयोग की ओर देख रहे हैं, जहां हर 1,000 लोगों पर एक स्टार्टअप है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयलने कहा कि इजराइल ने कठिनाइयों को अवसर में बदला है और उनकी कृषि संबंधी आवश्यकताएं तथा स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में विकसित आधुनिक प्रौधोगिकी नवोन्मेषी हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के प्रस्तावित व्यापार समझौते का एक मुख्य केंद्र प्रौद्योगिकी और शोध के क्षेत्र में सहयोग होगा।

सरकार ने 4 श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया, मौजूदा श्रम कानून बनेंगे

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि श्रम नियमन को आधुनिक बनाकर, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाकर तथा श्रम परिवेश को बदलते कार्य जगत के साथ जोड़कर यह कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत उद्योगों की नींव रखता है। बयान में कहा गया कि इससे आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को गति मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत के कई श्रम कानून आजादी से पहले और आजादी के शुरुआती दौर (1930 से 1950 के दशक तक) में बनाए गए थे। उस समय अर्थव्यवस्था और कार्य जगत बहुत अलग थे। बयान में आगे कहा गया कि अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने हाल के दशकों में अपने श्रम नियमन को समय के अनुसार बदला है, लेकिन भारत 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे हुए खंडित, जटिल और पुराने प्रावधानों के साथ काम रहा था।

वित्त मंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट्स के साथ की बजट पूर्व बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को नई दिल्ली में इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट्स के साथ 11वीं बजट पूर्व बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक केन्द्रीय बजट 2026-27 के सिलसिले में हुई।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विद्युत मंत्रालय, बंदरगाह मंत्रालय, शिपिंग और वाटरवेज, सड़क परिवहन और हाईवे मंत्रालय के सचिव, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए। यह बैठक मंत्रालय के सालाना स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट प्रोसेस का हिस्सा है, जिसमें लेबर बॉडीज केंद्रीय बजट से पहले सैलरी, सोशल सिक्योरिटी, रोजगार पैदा करने और वर्कर वेलफेयर पर अपनी चिंताएं बताती हैं। हाल के दिनों में बैंकिंग, हॉस्पिटैलिटी, आईटी और स्टार्टअप्स जैसे दूसरे सेक्टर्स के रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ भी इसी तरह की बजट पूर्व-बजट चर्चाएं हुई हैं।

बजट-पूर्व बैठक अनिवार्य रूप से सरकारी वित्त अधिकारियों और वित्त मंत्री द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ अंतिम केंद्रीय बजट तैयार करने और उसे विधानमंडल में प्रस्तुत करने से पहले आयोजित की जाने वाली परामर्श और चर्चा प्रक्रिया है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच हवाई मालवाहक सेवाएं 'बहुत जल्द' शुरू होंगी

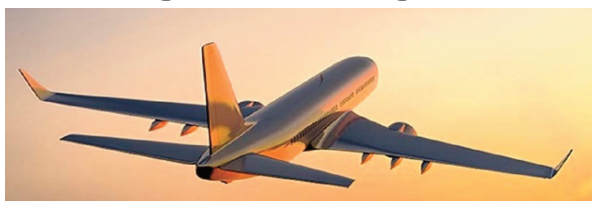

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच हवाई माल ढुलाई सेवाएं बहुत जल्द शुरू होंगी। भारतीय विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अफगानिस्तान के तालिबान सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अल-हज नूरुद्दीन अजीजी की भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने कहा, '' मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि काबुल-दिल्ली और काबुल-अमृतसर मार्गों पर हवाई माल ढुलाई गलियारा सक्रिय हो गया है। इन क्षेत्रों पर मालवाहक उड़ानें बहुत जल्द शुरू होंगी।'' उन्होंने कहा, '' इससे उनके बीच संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा हमारे व्यापारिक एवं वाणिज्यिक संबंध और मजबूत होंगे।'' अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार सहयोग की निगरानी और समर्थन के लिए एक-दूसरे के दूतावास में एक व्यापार अताशे की नियुक्ति पर भी बृहस्पतिवार को सहमत हुए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यापार, वाणिज्य एवं निवेश पर संयुक्त कार्य समूह को पुनः सक्रिय किया जाएगा। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव ने कहा, '' द्विपक्षीय व्यापार लगभग एक अरब डॉलर का है। हालांकि, इसमें और वृद्धि की पर्याप्त गुंजाइश बनी हुई है। इस संदर्भ में हमने व्यापार, वाणिज्य और निवेश पर संयुक्त कार्य समूह को पुनः सक्रिय करने का निर्णय लिया है।

इस विशेष संयुक्त कार्य समूह की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए भारत एवं अफगानिस्तान व्यवसायों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होगी।'' उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र में उन्होंने यह बात कही।

रुपया 93 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 89.61 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये में शुक्रवार को 93 पैसे की बड़ी गिरावट आई और यह 89 के स्तर को पार कर अबतक के सबसे निचले स्तर 89.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले तीन महीने में रुपये में एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। व्यापार-संबंधी अनिश्चितताओं के बीच घरेलू और वैश्विक बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ रुपये की विनिमय दर में बड़ी गिरावट आई है।

विदेशी मुद्रा विश्लेषकों के अनुसार, जोखिम से बचने की धारणा के बीच वैश्विक आईटी शेयरों में भारी बिकवाली और प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर स्पष्टता के अभाव के कारण रुपया लुढ़का है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.67 पर खुला और कारोबार के दौरान अबतक के सबसे निचले स्तर 89.65 पर पहुंच गया। रुपया आखिरकार कारोबार के अंत में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 89.61 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 93 पैसे की गिरावट है। बृहस्पतिवार को रुपया 20 पैसे फिसलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.68 पर बंद हुआ था।

रुपया ने कारोबार के दौरान अपना पिछला अब तक का सबसे निचला स्तर 30 सितंबर को 88.85 पर दर्ज किया था। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पिछला सबसे निचला बंद स्तर 14 अक्टूबर को 88.81 पर रहा था। इससे पहले भारतीय मुद्रा में इतनी तेज गिरावट 30 जुलाई को दर्ज की थी। उस समय यह कारोबार के दौरान 89 पैसे लुढ़क गया था।

केंद्र ने नीरज मित्तल को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव किया नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों में सचिव स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किए हैं। सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह नीरज मित्तल को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव नियुक्त किया है। मित्तल तमिलनाडु कैडर के 1992 बैच के आईएएस के अधिकारी हैं, जो वर्तमान में दूरसंचार विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि नीरज मित्तल को पंकज जैन के स्थान पर नियुक्त किया गया है, जिन्हें पहले 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। औषधि विभाग के सचिव अमित अग्रवाल को नीरज मित्तल के स्थान पर दूरसंचार सचिव नियुक्त किया गया है। मंत्रालय के जारी आदेश के अनुसार पर्यटन सचिव वी विद्यावती अब सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में सचिव होंगी। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्रीवत्स कृष्ण नए पर्यटन सचिव होंगे, जो वर्तमान में अपने कैडर राज्य कर्नाटक में कार्यरत हैं। इसके अलावा भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी अग्रवाल के स्थान पर औषधि सचिव होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव अतीश चंद्रा को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है। वह 28 फरवरी, 2026 को देवेश चतुर्वेदी की सेवानिवृत्ति के बाद कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि और किसान कल्याण विभाग में सचिव का पदभार संभालेंगे।

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने वर्तमान में विधि मामलों के विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत अंजू राठी राणा को भारत के 23वें विधि आयोग की सदस्य सचिव के रूप में नियुक्ती को मंजूरी दे दी है। विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग के सचिव राजीव मणि के कार्यकाल को 9 जनवरी, 2026 से 31 जुलाई, 2028 तक बढ़ाने को भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा एसीसी ने मणि को विधि मामलों के विभाग के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने को भी अपनी मंजूरी दे दी है।

मिस यूनिवर्स 2025 बनी मेक्सिको की फातिमा बॉश

सबको पछाड़कर फातिमा ने जीता मिस यूनिवर्स 2025 का खिताब

मिस यूनिवर्स 2025 का भव्य फिनाले थाईलैंड में शानदार अंदाज़ में सम्पन्न हुआ, जहां दुनिया भर की निगाहें इस रोमांचक प्रतियोगिता पर टिकी रहीं। 130 से अधिक देशों की प्रतिभागियों ने अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और कौशल से मंच को जगमगाया। हालांकि, इस बार भारत के लिए निराशा का पल रहा, क्योंकि देश की उम्मीद मनिका विश्वकर्मा टॉप 12 में जगह नहीं बना सकीं। इसमें मेक्सिको की फातिमा बॉश ने बाज़ी मारते हुए मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनियाभर के 130 देशों की प्रतिभाशाली महिलाओं ने हिस्सा लिया। इन्हीं में भारत की मनिका भी शामिल थीं, जिनसे देश को बड़ी उम्मीदें थीं। फाइनल राउंड में जगह बनाने के बाद भारत की उम्मीदें राजस्थान की इस खूबसूरत प्रतिभागी से और बढ़ गईं, लेकिन वह ताज अपने नाम करने से चूक गईं। दूसरी ओर मेक्सिको की फातिमा बॉश ने अपनी सुंदरता, प्रतिभा और बेहतरीन जवाबों से सबका दिल जीत लिया और मिस यूनिवर्स 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया।

मनिका से थी भारत को उम्मीद

राजस्थान के छोटे से शहर से ताल्लुक रखने वाली मनिका अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता के दम पर न सिर्फ फाइनल राउंड तक पहुंचीं, बल्कि शीर्ष पसंदीदा प्रतियोगियों में भी शामिल रहीं। इसके बाद पूरे देश की निगाहें उन पर टिक गईं कि क्या वे 2021 के बाद सिर्फ चार साल के अंतराल में भारत को एक और मिस यूनिवर्स का ताज दिला पाएंगी। हर भारतीय मनिका की जीत की उम्मीद लगाए बैठा था, लेकिन इस बार खिताब देश से दूर रह गया और सपना अधूरा रह गया। इस वर्ष की मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता विवादों से भी घिरी रही। फिनाले से महज़ तीन दिन पहले जज ओमार हारफूश ने इस्तीफा देते हुए आयोजकों पर गंभीर आरोप लगाए। उनका दावा था कि शीर्ष 30 प्रतियोगियों का चयन पहले ही कर लिया गया था और इनमें वे प्रतिभागी शामिल थीं, जिनके आयोजकों से निजी संबंध थे। बाद में आयोजकों ने इन आरोपों पर सफाई दी, लेकिन ओमार ने कानूनी कार्रवाई की बात कही और सोशल मीडिया पर लिखा कि मामला निष्पक्षता और हेरा-फेरी से जुड़ा है।

भारत की मिस यूनिवर्स यात्रा

साल 1994 में सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर भारत को पहली बार वैश्विक मंच पर गर्व का पल दिया। उनके बाद 2000 में लारा दत्ता और 2021 में हरनाज़ कौर संधू ने भी इस प्रतिष्ठित ताज को अपने नाम किया। इस बार भारत की उम्मीद मनिका थीं। भले ही वे टॉप 12 में जगह नहीं बना सकीं, लेकिन उनका अद्भुत सफर, मेहनत और जुनून लाखों भारतीय लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

अहान पांडे ने अनीत पड्डा संग रिश्ते की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

'सैयारा' फिल्म के जरिए रातों-रात सुर्खियों में आए अभिनेता अहान पांडे इन दिनों इंटरनेट के सबसे चर्चित चेहरों में शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी ऑन-स्क्रीन परफॉर्मेंस से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी चर्चा का विषय बनी रहती है। सोशल मीडिया पर अक्सर कयास लगाए जाते हैं कि अहान अपनी सह-अभिनेत्री अनीत पड्डा को डेट कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म निर्माता करण जौहर की प्रतिक्रिया ने इन अफवाहों को और हवा दे दी। अब अहान ने खुद इस रिश्ते की सच्चाई स्पष्ट कर दी है। हाल ही में दिए इंटरव्यू में अहान ने अनीत के साथ रिश्ते की अफवाहों को खारिज किया और उन्हें सिर्फ अपनी अच्छी दोस्त बताया। अभिनेता ने कहा, ₹अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट यही सोच रहा है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं। केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती। यह सहजता, सुरक्षा और लोगों के नजर आने के बारे में है। हम दोनों ने एक-दूसरे को यह एहसास दिलाया है।₹ अहान ने आगे कहा कि भले ही अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं, लेकिन उनकी दोस्ती कभी भी रोमांटिक रिश्ते में नहीं बदलेगी। दूसरी ओर, हाल ही में एक बातचीत के दौरान करण जौहर ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अभी इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर दोनों भविष्य में डेट करने वाले हों, तो अभी किसी को यह नहीं पता कि ऐसा होगा या नहीं। फिलहाल, अहान अली अब्बास जफर की आगामी फिल्म की तैयारी में व्यस्त हैं।

मैथिली ठाकुर की जीत पर खुश हुए 'भाभी जी घर पर हैं' के तिवारी जी, कहा- जीत पक्की थी

नई दिल्ली। टीवी के पॉपुलर शो "भाभी जी घर पर हैं" के रोहिताश्व गौर आज भी घर-घर में तिवारी जी के नाम से फेमस हैं। उनकी और अंगूरी भाभी की जोड़ी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। अब रोहिताश्व गौर मैथिली ठाकुर के बिहार विधानसभा चुनावों में हुई जीत से खुश हैं और उन्होंने ट्रोल करने वाले लोगों को दो टूक जवाब दिया है। रोहिताश्व गौर टीवी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी फैंस के साथ कनेक्ट रहते हैं। वे भोजपुरी लोक गायिका मैथिली ठाकुर के फैन हैं और उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मैथिली को वोट करने की अपील की थी। अब उन्होंने अपनी और मैथिली की फोटो शेयर की है, जो उनके सीरियल के सेट की ही है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, "आखिर हमारी प्यारी बेटी मैथिली जीत गई, सबसे कम उम्र की विधायक। हाल ही में जब मैंने एक वीडियो में मैथिली को जिताने के लिए आप लोगों से रिक्वेस्ट की तो आपने मुझे बुरा भला भी कहा था, लेकिन पता नहीं क्यों बार-बार मेरी आत्मा कह रही थी कि ये जीत पक्की है।" उन्होंने आगे लिखा, 'ये फोटो हमारे भाभीजी के सेट की है जिसे देखने मैथिली अपने पापा के साथ आई थी। भाभीजी घर पर है उनके परिवार का पसंदीदा सीरियल है। बता दें कि बिहार चुनाव से पहले रोहिताश्व गौर ने मैथिली ठाकुर की वोट देने की अपील करते हुए एक वीडियो डाला था और उन्होंने मैथिली को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की बात कही थी। इस वीडियो के पोस्ट होते ही यूजर्स ने रोहिताश्व गौर को ट्रोल करना शुरू कर दिया था।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

कंबोडिया के प्रमुख पर्यटन स्थल से आ रही बस पुल से गिरी, 16 यात्रियों की मौत

नोम पेन्ह (कंबोडिया)। कंबोडिया में एक यात्री बस पुल से नदी में जा गिरी। इस दुर्घटना में कम से कम 16 लोग मारे गए और दो दर्जन से अधिक घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारी सिव सोवन्ना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को फोन पर बताया कि यह बस सियेम रीप से नोम पेन्ह की ओर जा रही थी, जहां प्रसिद्ध अंगकोर वाट मंदिर स्थित है। यह हादसा बृहस्पतिवार सुबह मध्य प्रांत काम्पोंग थॉम में हुआ। सोवन्ना ने बताया कि बृहस्पतिवार रात बचावकर्मियों द्वारा तलाश पूरी करने के बाद मृतकों की संख्या 13 से बढ़कर 16 हो गई। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में संकेत मिला है कि चालक रात में सियेम रीप से प्रस्थान करने के बाद नींद के असर में था। आमतौर पर यह यात्रा लगभग साढ़े पांच घंटे की होती है। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि चालक मृतकों में शामिल है या नहीं। पुलिस ने कहा कि बस में लगभग 40 यात्री सवार हुए थे और सभी कंबोडियाई नागरिक हैं। लोक निर्माण और परिवहन मंत्रालय के अनुसार, कंबोडिया में सड़क दुर्घटनाओं में 2024 में 1,509 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि 2025 के पहले नौ महीनों में 1,062 लोग सड़क हादसों में मारे गए।

ढाका में भूकंप: पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत में भी महसूस हुए झटके

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका और उसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार सुबह 5.5 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र ढाका से लगभग 27 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित नरसिंदी के पास था। भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10:08 बजे महसूस किए गए। मीडिया खबरों के मुताबिक भूकंप के कारण कई इमारतें हिलने लगीं और ढाका में लोग घरों से सड़कों पर निकल आए। हालाकि अभी तक किसी भी प्रकार के जानमाल की हानि की कोई खबर नहीं है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि झटके 20-30 सेकंड महसूस किए गए।बांग्लादेश मौसम विभाग (बीएमडी) और राष्ट्रीय भूकंप केंद्र ने लोगों से शांत रहने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है। पिछले महीने अक्टूबर में भी बांग्लादेश में 3.4 तीव्रता वाला भूकंप आया था। इस बीच भूकंप के झटके भारत के पश्चिम बंगाल, कोलकाता और असम, त्रिपुरा एवं मेघालय जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में भी महसूस किए गए। कोलकाता में सुबह करीब 10:10 बजे भूकंप के हल्के झटके से लोग सतर्क हो गए और कई जगहों पर लोग बाहर आ गए। गुवाहाटी, अगरतला और शिलांग में भी हल्के झटके महसूस किए गए।

ट्रंप की शांति योजना में यूक्रेन का कुछ हिस्सा रूस को देने का प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की योजना के तहत यूरोपीय देश का कुछ हिस्सा रूस को सौंपने और उसकी सेना का आकार कम करने का प्रस्ताव शामिल किया गया है। यह जानकारी शांति के लिए तैयार मसौदे में दी गई है। अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह मसौदा तैयार किया गया है, जिसकी एक प्रति 'एसोसिएटेड प्रेस' को बृहस्पतिवार को प्राप्त हुई। यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी टीम ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के शीर्ष सलाहकार रुस्तम उमरोव से बातचीत के तुरंत बाद यह योजना तैयार करना शुरू कर दिया था। अधिकारी ने बताया कि कई संशोधन करने के बाद उमरोव ने योजना के अधिकतर बिंदुओं पर सहमति जताई और फिर इसे जेलेंस्की के समक्ष

प्रस्तुत किया। अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी सैन्य सचिव डैन ड्रिस्कॉल भी बृहस्पतिवार को यूक्रेन की राजधानी कीव में थे और उन्होंने जेलेंस्की के साथ ताजा मसौदे पर चर्चा की। जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया, लेकिन प्रस्ताव पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने लिखा, "यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।"

शांति योजना के तहत रूस को यह वादा करना होगा कि वह भविष्य में कोई हमला नहीं करेगा। इसके अलावा, रूस की 100 अरब डॉलर की जमा संपत्ति को यूक्रेन के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल किया जाएगा। इस पहल के तहत रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र 'जापोरिज्जिया' से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

इस संयंत्र पर रूस ने युद्ध की शुरुआत में ही कब्जा कर लिया था। हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का विरोध कर चुके हैं और यूक्रेन के संविधान के तहत ऐसी रियायत देना अवैध है। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

अमेरिका ने लगाया ईरान के पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल भारतीय संस्थाओं पर प्रतिबंध

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत की उन संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं। प्रशासन ने कहा कि इस व्यापार से मिलने वाली धनराशि तेहरान के क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों को समर्थन देने और हथियार प्रणालियां खरीदने में उपयोग की जाती है, जो "अमेरिका के लिए सीधा खतरा" हैं।

अमेरिका के विदेश और वित्त मंत्रालयों ने उन 'शिपिंग नेटवर्क' पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरानी शासन की "दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों" को अवैध तेल बिक्री के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही उन एयरलाइंस और उनसे जुड़ी कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं, जो ईरान समर्थित आतंकी संगठनों को हथियार और आपूर्ति भेजती हैं। इस प्रतिबंध सूची में जिन भारतीय नागरिकों और कंपनियों को शामिल

किया गया है उनमें जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैय्यद, जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैय्यद, महाराष्ट्र स्थित 'आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और पुणे स्थित 'टीआर6 पेट्रो इंडिया एलएलपी' शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह भारत, पनामा और सेशेल्स सहित कई देशों में स्थित कुल 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों को नामित कर रहा है जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं। इसके साथ ही वित्त विभाग 41 संस्थाओं, व्यक्तियों, जहाज़ों और विमानों को नामित कर रहा है ताकि ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात पर कार्रवाई को तेज किया जा सके और उन वित्तीय नेटवर्कों को बाधित किया जा सके जो ईरान की अवैध गतिविधियों को सहायता प्रदान करते हैं।

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस तेल व्यापार से उत्पन्न धनराशि का उपयोग ईरान समर्थित क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों को सहायता देने और हथियार प्रणालियां खरीदने में किया जाता है, जो अमेरिकी बलों और सहयोगी देशों के लिए सीधा खतरा हैं।

बेलेम में जलवायु सम्मेलन स्थल में आग, 21 घायल

बेलेम (ब्राजील)। ब्राजील के अमेज़न स्थित बेलेम शहर में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी30) के मुख्य स्थल पर गुरुवार को आग लगने के कारण कम से कम 21 लोग घायल हो गए। हालांकि किसी बड़े हादसे में तब्दील होने से पहले ही इसपर काबू पा लिया गया। मीडिया खबरों के मुताबिक आग की चपेट में आने से कम से कम 21 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकांश धुएं में सांस लेने के कारण बीमार हैं। हालांकि, अधिकारियों ने दावा किया कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया और सम्मेलन बिना किसी रूकावट के जारी रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे हुई, जब सम्मेलन के 'ब्लू जोन' क्षेत्र के एक पवेलियन में धुआं दिखाई दिया।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में फैक्टरी में गैस धमाका, 15 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार सुबह एक फैक्टरी में हुए गैस धमाके में कम से कम 15 लोगों की जान चली गई। इस विस्फोट में कई अन्य घायल भी हुए हैं। प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने घटना में जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। उन्होंने फैसलाबाद कमिश्नर से घटना की रिपोर्ट मांगी है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, फैसलाबाद कमिश्नर ने इस घटना पर बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि आज फैसलाबाद के मलिकपुर इलाके के पास एक फैक्टरी में हुए गैस धमाके में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई दूसरे घायल हो गए। इससे पहले रेस्क्यू 1122 ने शुरुआती बयान में कहा था कि यह घटना तड़के फैक्टरी के बॉयलर में धमाके के बाद से हुई। इससे फैक्टरी और आसपास के कई आवास धराशायी हो गए। हालांकि बाद में रेस्क्यू 1122 ने धमाके की वजह गैस का लीक होना बताया। इसकी पुष्टि फैसलाबाद कमिश्नर राजा जहांगीर अनवर के कार्यालय से जारी बयान में भी की गई। बयान में कहा गया कि फैक्टरी में कोई बॉयलर नहीं था। मलिकपुर इलाके में चार फैक्टरी चल रही थीं। गैस लीकेज की वजह से एक फैक्टरी में आग लग गई और लपटों ने दूसरी फैक्टरियों को भी चपेट में ले लिया। इलाके के सात घर भी प्रभावित हुए। रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, धमाके से फैक्टरी और आसपास के घरों की छतें गिर गईं। कमिश्नर कार्यालय के बयान में कहा गया है कि घायलों में से 10 को एलाइड अस्पताल ले जाया गया और तीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की जांच के लिए पांच अधिकारियों की जांच टीम बनाई गई है। घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान पूरा हो चुका है। कमिश्नर राजा ने कहा, "हम हादसे में मारे गए लोगों के परिवार के दुख में शामिल हैं।" रेस्क्यू 1122 के अनुसार ग्लू फैक्टरी में जिला आपातकालीन अधिकारी की देखरेख में राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। इसमें 20 से अधिक एम्बुलेंस और फायर टेंडर की मदद ली गई। फैसलाबाद कंट्रोल रूम को सुबह 5:28 बजे ग्लू फैक्टरी में धमाके के बारे में सूचना मिली। टीम फौरन मौके पर पहुंची और मलबे को साफ करना शुरू किया। मुख्यमंत्री मरियम नवाज के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने इस घटना में जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। उन्होंने दुखी परिवारों के प्रति संवेदना जताई और फैसलाबाद कमिश्नर से घटना पर रिपोर्ट मांगी है। नेशनल ट्रेड यूनियन फेडरेशन के महासचिव नासिर मंसूर ने मजदूरों की मौत पर दुख जताया है। यूनियन की विज्ञप्ति में कहा गया है, ₹फैक्टरियां मजदूरों के लिए मौत का जाल बन गई हैं और उद्योगपति मौत के सर्टिफिकेट बांट रहे हैं।₹ उन्होंने सरकार और श्रम विभाग पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, ₹मजदूरों की मौत के लिए पंजाब सरकार सीधे तौर पर जिम्मेदार है।